

राष्ट्रीय मासिक

मूल्य: 40/-

रफ्तार

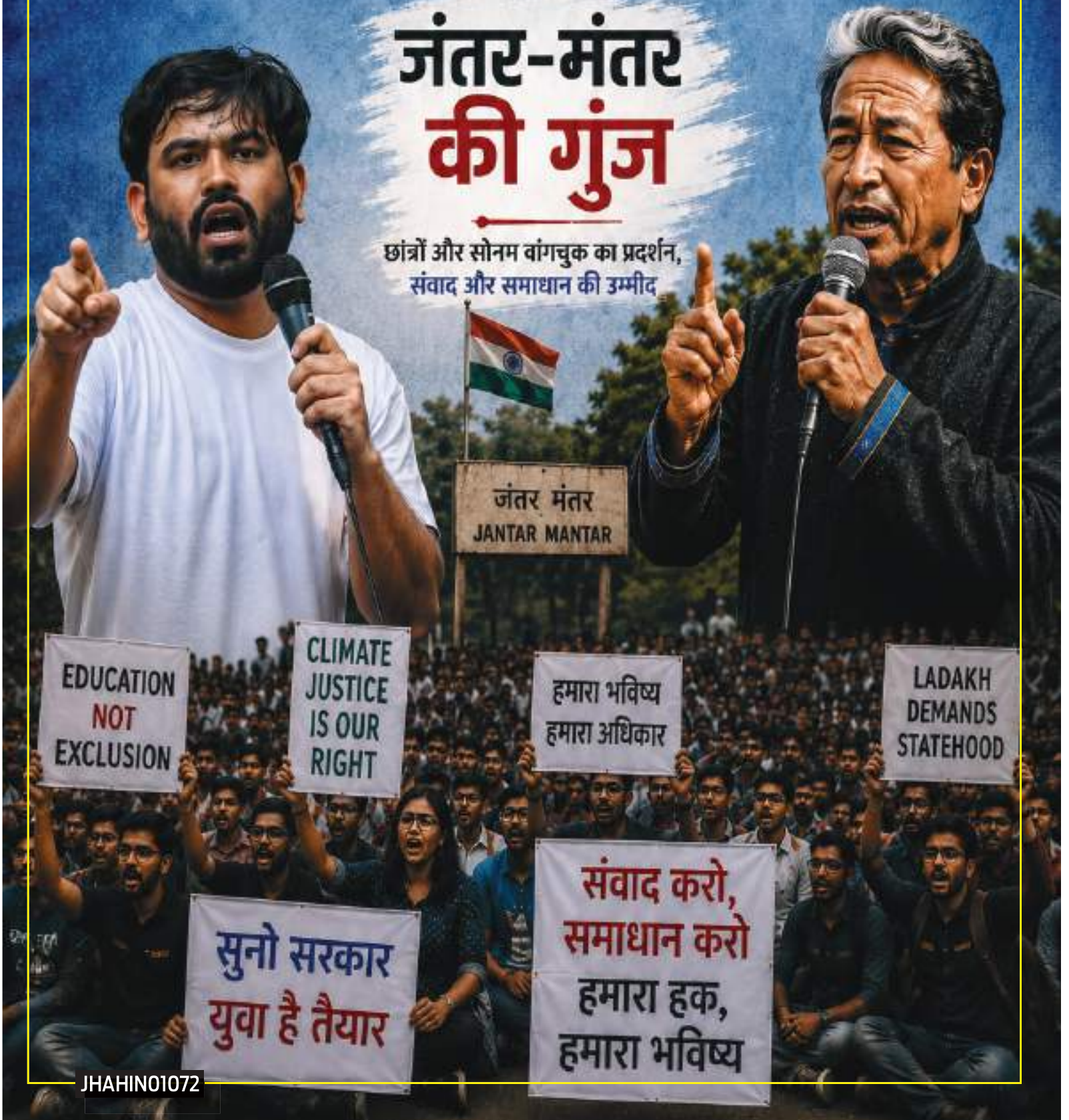
वर्ष : 04 | अंक 34

मीडिया

JULY, 2026

जंतर-मंतर की गुंज

छात्रों और सोनम वांगचुक का प्रदर्शन,
संवाद और समाधान की उम्मीद





पहले तकनीक में लाचार आज हर ओर नवाचार



प्रतीकात्मक चित्र



2017 से पहले
आईटी और प्रौद्योगिकी में
दूरदर्शी सोच का अभाव

2026 में डेटा और
AI हब, 9 शहरों
में सॉफ्टवेयर टेक
पार्क, उत्तर प्रदेश
AI मिशन की
शुरुआत

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश

UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

PAGE 08



रफ्तार मीडिया कवर स्टोरी

प्रबंध संपादक | गौरव कुमार

डिप्टी एडिटर | अरविंद कुमार

संपादकीय कार्यालय

उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, नियर अरगोड़ा
थाना, हरमू, रांची. पिन-834002

ईमेल articlraftaar@gmail.com

विज्ञापन: 9709289751



पिछला अंक

मुद्रक : प्रकाशक एवम स्वतत्वाधिकारी गौरव कुमार के
पक्ष में शिवसाई पब्लिकेशन प्रा.लिमिटेड, काठीटांड, नियर
टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, पोस्ट एवं थाना रांची। रांची
835222 झारखंड द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित।

सड़क पर सवाल, जंतर-मंतर की गूँज जंतर-मंतर की आवाज़ और लोकतंत्र की जिम्मेदारी

जब आंदोलन संयम और स्पष्ट उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता है, तो उसकी बात समाज और सरकार—दोनों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचती है। आज भारत विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है।

दिल्ली का जंतर-मंतर लंबे समय से लोकतांत्रिक विरोध-प्रदर्शनों का प्रतीक रहा है। हाल के दिनों में जंतर-मंतर पर छात्रों और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि लोकतंत्र में जनता की आवाज़ को किस प्रकार सुना और समझा जाना चाहिए। चाहे प्रदर्शन का मुद्दा शिक्षा, पर्यावरण, क्षेत्रीय अधिकार या संवैधानिक मांगों से जुड़ा हो, किसी भी लोकतंत्र की मजबूती इस बात से तय होती है कि वह असहमति के स्वर को कितनी गंभीरता से सुनता है।

सोनम वांगचुक केवल एक शिक्षाविद या नवाचारकर्ता के रूप में ही नहीं, बल्कि हिमालयी क्षेत्रों के पर्यावरण और स्थानीय समुदायों की समस्याओं को उठाने वाले एक प्रमुख सामाजिक चेहरे के रूप में भी जाने जाते हैं। उनके साथ बड़ी संख्या में छात्रों और युवाओं का जुड़ना



अरविंद कुमार
डिप्टी एडिटर

इस बात का संकेत है कि नई पीढ़ी केवल रोजगार और शिक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि नीति निर्माण और सामाजिक सरोकारों में भी अपनी भागीदारी चाहती है। छात्रों की भागीदारी किसी भी लोकतांत्रिक समाज के लिए सकारात्मक संकेत मानी जाती है। युवा जब शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखते हैं, तो यह लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण होता है। लेकिन इसके साथ यह भी आवश्यक है कि प्रदर्शन कानून के दायरे में रहे और सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित न हो। विरोध का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण सार्वजनिक शांति और नागरिक सुविधाओं की रक्षा भी है। सरकार

की भूमिका ऐसे अवसरों पर और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी भी आंदोलन को केवल कानून-व्यवस्था के नजरिये से देखने के बजाय उसके मूल कारणों को समझने का प्रयास होना चाहिए। यदि प्रदर्शनकारियों की मांगों में जनहित और संवैधानिक आधार है, तो सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए। लोकतंत्र में बातचीत हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होती है। संवाद की कमी अक्सर अविश्वास को जन्म देती है, जबकि समय पर की गई चर्चा समाधान का मार्ग खोल सकती है।

दूसरी ओर, आंदोलनकारी पक्ष की भी जिम्मेदारी है कि वह अपने विरोध को पूरी तरह शांतिपूर्ण, तथ्यपरक और रचनात्मक बनाए रखे। किसी भी आंदोलन की नैतिक शक्ति उसकी अनुशासित और अहिंसक प्रकृति में होती है। जब आंदोलन संयम और स्पष्ट उद्देश्य के साथ आगे बढ़ता है, तो उसकी बात समाज और सरकार—दोनों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचती है। आज भारत विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। ऐसे में यह आवश्यक है कि सरकार और नागरिक समाज दोनों लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करें। जंतर-मंतर पर उठी आवाज़ें केवल किसी एक समूह की मांग नहीं, बल्कि संवाद, सहभागिता और जवाबदेही की आवश्यकता की भी याद दिलाती हैं। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति विरोध को दबाने में नहीं, बल्कि उसे सुनने, समझने और संवैधानिक दायरे में समाधान खोजने में निहित है। यदि सरकार और प्रदर्शनकारी दोनों संवाद, संयम और पारस्परिक सम्मान का मार्ग अपनाते हैं, तो ऐसे आंदोलन टकराव का नहीं, बल्कि बेहतर नीतियों और अधिक उत्तरदायी शासन का आधार बन सकते हैं। यही किसी परिपक्व लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है।

कॉर्पोरेट एवं व्यावसायिक कार्यालय : अजीत कुमार, 8/18 सेकेंड प्लोर, नेहरू नगर, नई दिल्ली 110065 ईमेल raftaarhr@gmail.com CONTACT NO. 6203592707

सुबई कार्यालय : चंद्रमान विश्वनाथ मौर्य, रूम नंबर A56/3/5 संत रोहिदास मार्ग खंभादेव नगर धारावी मुंबई- 400017

देहरादून कार्यालय : आयुष निगम, खबर हाउस, नेवासा रोहन मोटर्स के पीछे, जीएमएस रोड, देहरादून, उत्तराखंड, 248001 |

राजकुमार, एस.सी.एफ. 254, प्रथम मंजिल, सेक्टर 16, पंचकूला (हरियाणा) | स्वरूप भट्टाचार्य, रफ्तार मीडिया CG-MP H-14, डेवर पिक सिटी, गायत्री नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़ | शाहिद सिद्दीकी, 21, बीसी गोमती रीजेंसी, साड़ी मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ | रवि नंदन सिंह (स्टेट हेड), 200/1D, डीजी मिश्रा पथ, न्यू पाटलिपुत्र कॉलोनी पटना (बिहार) 800013 |



झारखंड में 71,000 करोड़ का निवेश करेगा जिंदल ग्रुप

वी.आर. शर्मा का बड़ा ऐलान

वैश्विक व्यापारिक अवरोधों और टैरिफ से जुड़ी अनिश्चितताओं के बीच भारतीय स्टील उद्योग के लिए एक बेहद सकारात्मक खबर सामने आई है। जिंदल स्टील ग्रुप के वाइस चेयरमैन वी.आर. शर्मा ने भरोसा जताया है कि इन अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बावजूद भारत स्टील निर्माण में वैश्विक स्तर पर पूरी तरह प्रतिस्पर्धी बना हुआ है। उन्होंने कहा कि देश का 30 करोड़ टन (300 MT) कच्चे स्टील के उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य पूरी तरह से पहुंच के भीतर है। इसी विज़न को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने झारखंड के लिए 71,000 करोड़ रुपये के निवेश का ऐलान किया, जिसमें ग्रीन स्टील के लिए परमाणु और सौर ऊर्जा प्लांट शामिल हैं। जिंदल स्टील ग्रुप के वाइस चेयरमैन वी.आर. शर्मा ने 'ईटीवी भारत' संवाददाता सुरभि गुप्ता से खास बातचीत में अपनी इस मेगा कार्य योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी। पेश है,

वैश्विक व्यापार तनाव और टैरिफ में बदलाव के कारण स्टील के निर्यात पर असर पड़ रहा है, ऐसे में आने वाले वर्षों में भारत का स्टील क्षेत्र वैश्विक स्तर पर कैसे प्रतिस्पर्धी बना रहेगा? हम पहले से ही प्रतिस्पर्धी हैं। वैश्विक

पहला निवेश लगभग 50,000 करोड़ रुपये का है। जिसके तहत 60 लाख टन की क्षमता वाला स्टील प्लांट लगाया जाएगा। दूसरा निवेश करीब 30,000 करोड़ रुपये का है, जिसके तहत 1,400 मेगावाट का परमाणु ऊर्जा प्लांट स्थापित किया जाएगा। तीसरा निवेश एक सौर ऊर्जा परियोजना है, जिसके लिए लगभग 1,000 करोड़ की आवश्यकता होगी। जिंदल ग्रुप झारखंड में 71,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना बना रहा है। हम साल 2007 से ही इस राज्य में मौजूद हैं और रांची के पास पतरातू में पहले से ही हमारा एक प्लांट काम कर रहा है।



व्यापार महत्वपूर्ण है और निर्यात भी बेहद जरूरी है। लेकिन वैल्यू-एडेड (विशेष गुणवत्ता वाले) स्टील के उत्पादन से हम वैश्विक चुनौतियों का

सामना करने और अपनी निर्यात क्षमता को और मजबूत करने के लिए बेहतर स्थिति में होंगे। भारत ने साल 2030-31 तक 30 करोड़ टन (300

MT) स्टील उत्पादन का लक्ष्य रखा है। क्या आपको लगता है कि देश सही दिशा में आगे बढ़ रहा है? हां, हम बिल्कुल सही दिशा में हैं। भारत पहले से ही लगभग 17.5 करोड़ टन (175 MT) स्टील का उत्पादन कर रहा है। यदि ठीक 2030 तक नहीं भी हुआ, तो 2031 या 2032 तक बची हुई क्षमता का लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता है। हम बिल्कुल सही राह पर आगे बढ़ रहे हैं। ये दोनों परियोजनाएं मिलकर लगभग 2,000 मेगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली पैदा करेगी, जो हमें ग्रीन स्टील बनाने में मदद करेगी। जहां कई स्टील प्लांट थर्मल पावर (कोयले से बनने वाली बिजली) पर निर्भर हैं, वहीं हमारा इरादा कार्बन उत्सर्जन को काफी हद तक कम करने के लिए परमाणु और सौर ऊर्जा का उपयोग करना है।



पूर्व कप्तान असुंता लकड़ा ने हॉकी इंडिया के महासचिव पर धमकी देने का लगाया आरोप

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान, एशियाई खेलों की पदक विजेता और हॉकी इंडिया की चयन समिति की सदस्य असुंता लकड़ा ने हॉकी इंडिया के महासचिव और हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि झारखंड में हॉकी से जुड़े कई गंभीर मामलों पर सवाल उठाने और महिला खिलाड़ियों के हित में आवाज बुलंद करने के कारण उन्हें धमकाया गया, अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया और चुप रहने का दबाव बनाया गया। असुंता ने पूरे मामले की शिकायत झारखंड के खेल मंत्री सुदिव्य कुमार और मुख्यमंत्री सचिवालय के साथ-साथ हॉकी इंडिया के अध्यक्ष को भी लिखित रूप से भेजी है। ईटीवी भारत से खास बातचीत में असुंता लकड़ा ने कहा कि हॉकी इंडिया और हॉकी झारखंड में बहुत कुछ ठीक नहीं चल रहा है। उनके अनुसार संगठन के भीतर कई ऐसे मामले हैं जो बेहद गंभीर हैं, लेकिन उन्हें दबाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि खिलाड़ियों और पूर्व खिलाड़ियों की बात सुनने के बजाय उन्हें डराया और चुप कराया जाता है। असुंता ने कहा कि पूरा विवाद तब शुरू हुआ, जब

उन्होंने महिला खिलाड़ियों से जुड़े मामलों को गंभीरता से उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि कोच सुधीर गोल्ला पर महिला खिलाड़ियों ने गलत तरीके से छुने और अनुचित व्यवहार की शिकायत की थी। इन शिकायतों को उन्होंने संबंधित अधिकारियों

जानकारी हॉकी इंडिया के अध्यक्ष को भी दी गई। लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। पूर्व कप्तान का आरोप है कि इन मुद्दों को उठाने के बाद उनके खिलाफ माहौल बनाया गया। उन्होंने दावा किया कि 9 मई को भोलानाथ सिंह ने उन्हें फोन कर

उनका परिवार मानसिक तनाव और भय के माहौल में है। असुंता ने बताया कि 29 जून को उन्होंने पूरे मामले की विस्तृत शिकायत झारखंड के खेल मंत्री सुदिव्य कुमार और मुख्यमंत्री सचिवालय को भेजी। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायत की प्रतिलिपि



उन्होंने दावा किया कि उनकी शिकायत केवल व्यक्तिगत विवाद नहीं है, बल्कि महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा, सम्मान और खेल प्रशासन में पारदर्शिता से जुड़ा मामला है। असुंता ने कहा कि यदि खिलाड़ियों की शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया जाएगा और सवाल उठाने वालों को ही प्रताड़ित किया जाएगा, तो इससे भारतीय हॉकी की छवि प्रभावित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि कई पूर्व और वर्तमान खिलाड़ी संगठन की कार्यशैली से असंतुष्ट हैं। लेकिन कार्रवाई के डर से खुलकर सामने नहीं आ पा रहे हैं।

तक पहुंचाया और कार्रवाई की मांग की। उनका दावा है कि राज्य खेल विभाग द्वारा हटाए जाने के बावजूद सुधीर गोल्ला अब भी हॉकी झारखंड कार्यालय में सक्रिय हैं। असुंता ने कहा कि इस पूरे मामले की

कथित तौर पर धमकाया। असुंता के अनुसार बातचीत के दौरान उनसे कहा गया, 'अपनी औकात में रहो, औकात में रहकर बात करो, वरना हमें औकात बताना आता है'। उन्होंने कहा कि इस कथित घटना के बाद वे और

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष को भी भेजी गई, ताकि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो सके। उनके अनुसार, बार-बार शिकायत करने के बावजूद अब तक किसी तरह की ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।



शिकायत के समर्थन में हैं 30 खिलाड़ी: असुंता

असुंता ने बताया कि उनकी शिकायत का समर्थन 30 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने किया है। इनमें पूर्व भारतीय कप्तान सुमराय टेरे, सावित्री पूर्ति और कांति बा सहित कई खिलाड़ियों ने हस्ताक्षर किए हैं। उनका कहना है कि यह किसी एक व्यक्ति की लड़ाई नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के सम्मान और सुरक्षित खेल वातावरण की लड़ाई है। हॉकी इंडिया के महासचिव एवं हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ने भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान असुंता लकड़ा द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए उन्हें निराधार, मनगढ़ंत और साजिश का हिस्सा बताया है। भोलानाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने कभी भी असुंता लकड़ा को धमकी नहीं दी और ऐसा करने का सवाल ही नहीं उठता है। भोलानाथ सिंह ने कहा, यह पूरी तरह गलत बात है कि मैंने असुंता लकड़ा को धमकाया है। मैंने कभी उन्हें धमकी नहीं दी और न ही मैं उन्हें धमका सकता हूँ। वर्ष 2014 से वह हॉकी झारखंड और बाद में हॉकी इंडिया में मेरे साथ काम कर रही हैं। हॉकी इंडिया से जुड़ा कोई भी महत्वपूर्ण विषय होता है तो सबसे अधिक सलाह मैं असुंता लकड़ा

से ही लेता रहा हूँ। ऐसे में उन्हें धमकाने का आरोप पूरी तरह बेबुनियाद है। कोच सुधीर गोएला को लेकर लगाए गए आरोपों पर भोलानाथ सिंह ने कहा कि शिकायत मिलते ही तत्काल कार्रवाई की गई थी। उन्होंने कहा, जैसे ही शिकायत सामने आई, उस पर तुरंत कार्रवाई हुई।

हॉकी झारखंड के नियमित कोच भी नहीं थे। इसके बावजूद उन्हें किसी भी स्तर पर नहीं रखा गया। इसलिए यह कहना कि कार्रवाई नहीं हुई, पूरी तरह गलत है। आरोपों के पीछे कारण पूछे जाने पर भोलानाथ सिंह ने कहा कि जल्द ही हॉकी इंडिया और हॉकी झारखंड के

कहना है। फिलहाल मामले में किसी स्वतंत्र जांच या आधिकारिक कार्रवाई की घोषणा नहीं की गई है। हालांकि पूर्व भारतीय कप्तान द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद हॉकी झारखंड और हॉकी इंडिया की कार्यप्रणाली, खिलाड़ियों की सुरक्षा, शिकायत निवारण व्यवस्था और



भोलानाथ सिंह ने कहा, यह पूरी तरह गलत बात है कि मैंने असुंता लकड़ा को धमकाया है। मैंने कभी उन्हें धमकी नहीं दी और न ही मैं उन्हें धमका सकता हूँ। वर्ष 2014 से वह हॉकी झारखंड और बाद में हॉकी इंडिया में मेरे साथ काम कर रही हैं।

खेल विभाग की ओर से भी कार्रवाई की गई और हॉकी इंडिया तथा हॉकी झारखंड ने भी तत्काल कदम उठाया। सुधीर गोएला को किसी भी जिम्मेदारी में नहीं रखा गया। वह हॉकी इंडिया या

चुनाव होने वाले हैं। मुझे लगता है कि यह मुझे बदनाम करने की एक सुनियोजित साजिश हो सकती है। मेरी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है। इसके अलावा इस विषय में मुझे और कुछ नहीं

प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। अब खेल जगत की नजर इस बात पर टिकी है कि संबंधित शिकायतों पर सरकार और हॉकी इंडिया क्या कदम उठाते हैं।



243 विधायक गयाजी में, ओरिएंटेशन कार्यक्रम का उपराष्ट्रपति ने किया उद्घाटन

बिहार विधानसभा के सदस्यों के लिए आयोजित दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का उद्घाटन आज शनिवार 11 जुलाई को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किया। यह कार्यक्रम बिहार विधानसभा सचिवालय, प्राइड, लोकसभा और बिपार्टी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया है, जिसमें कुल 7 सत्र होंगे।

स्पीकर बोले- क्षमता विकास की महत्वपूर्ण पहल: बिहार विधानसभा के स्पीकर डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि यह कार्यक्रम विधायकों के क्षमता विकास की दिशा में एक अहम कदम है। नवनिर्वाचित सदस्यों को संसदीय परंपराओं, विधायी प्रक्रियाओं, शिष्टाचार और जनहित के मुद्दों पर गहन जानकारी दी जाएगी। इससे विधायकों को जन समस्याओं को विधानसभा पटल पर प्रभावी ढंग से रखने में मदद मिलेगी।

सत्ता और विपक्ष दोनों शामिल: स्पीकर डॉ. प्रेम कुमार ने बताया कि सभी विधायकों को आमंत्रित किया गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक कार्यक्रम में भाग लेंगे। वहीं कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची विधायक मैथिली ठाकुर ने बताया कि "यह काफी अच्छा कार्यक्रम है, इसमें शामिल होने का मौका मिला है। इससे काफी खुशी हो रही है। इस तरह का कार्यक्रम होना चाहिए। संसदीय एवं विधायकी कार्यपालिका से संबंधित अहम



जानकारियां मिलती है।" उपराष्ट्रपति, मुख्यमंत्री और राज्यपाल रहें मौजूद: कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन बिहार के राज्यपाल सैयद आता हुसैन, मुख्यमंत्री स्मरत चौधरी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, दोनों उपमुख्यमंत्री, विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह और उपाध्यक्ष नरेंद्र यादव सहित कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सभापति भी

इस अवसर पर उपस्थित रहें। शिष्य देंगे मार्गदर्शन, ये रहेंगे मुख्य विषय: दो दिवसीय कार्यक्रम में संसदीय प्रक्रिया एवं नियम, सदस्यों के अधिकार व कर्तव्य, आचार संहिता, प्रश्नकाल, कार्यपालिका की जवाबदेही, आधुनिक तकनीक का उपयोग, विधायी एवं बजट प्रक्रिया, विशेषाधिकार, प्रोटोकॉल तथा संसदीय समितियों की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन देंगे। गयाजी में पहली बार हो

रहा आयोजन: यह कार्यक्रम गयाजी में पहली बार आयोजित हो रहा है। यहां एक साथ सभी विधायकों, विशेषज्ञों और संसद व विधानसभा के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही। विधायक संसदीय प्रणाली को विस्तार से समझेंगे। ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव, सुबह 8 बजे से प्रभावी: कार्यक्रम को लेकर गयाजी में सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं।



24 साल की उम्र में 197 देशों का सफर!

नोमैड शुभम ने दुनिया घूमकर रच दी मिसाल

कहते हैं कि अगर हौसलों में उड़ान हो, तो बंदिशों के आसमान छोटे पड़ जाते हैं। बिहार के मुंगेर जैसे छोटे जिले के एक छोटे से गांव से निकला एक साधारण सा लड़का आज वैश्विक ट्रेवेलिंग दुनिया का वो चमकता हुआ सितारा बन चुका है, जिसने अपनी जिद से भूगोल की परिभाषा बदल दी।

24 साल की उम्र में कर ली 'मुट्टी में दुनिया': महज 24 साल की उम्र में दुनिया के सभी 197 संप्रभु देशों की सरहदें नापकर इतिहास रचने वाले शुभम कुमार पंजियारा की कहानी सिर्फ एक सफरनामा नहीं, बल्कि सीमित संसाधनों और असीम संघर्ष के बीच पले-बढ़े एक जुनूनी खवाब की मुकम्मल हकीकत है।

ब्राजील पहुंचकर पूरा हुआ दुनिया घूमने का सपना : ब्राजील की धरती पर अपना आखिरी कदम रखते ही शुभम ने न सिर्फ अपने 10 साल लंबे विश्व भ्रमण के महायज्ञ को पूरा किया, बल्कि दुनिया को यह भी दिखा दिया कि हिचहाइकिंग और सच्चे कमिटमेंट के दम पर पूरी कायनात को मुट्टी में कैसे किया जाता है। जब देश और दुनिया कोरोना की मार झेल रही थी तब भी शुभम अपने मिशन वर्ल्ड टूर पर थे और वह उस वक्त अफगानिस्तान



में फंसे हुए थे। 197वें देश की यात्रा पर शेयर किया पोस्ट : शुभम ने अपनी यात्रा पूरी होने के बाद सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा करते हुए लिखा- "आज 197वां देश पूरा हो गया और मेरा आखिरी देश ब्राजील है।" इसके

बाद उन्होंने अपनी दस साल की यात्रा को याद करते हुए लिखा, "मेरी पहली हिचहाइक से लेकर आखिरी हिचहाइक तक 10 साल, 197 देश।" बचपन का सपना किया पूरा : ब्राजील पहुंचने के साथ ही उनका विश्व भ्रमण पूरा

उनके पासपोर्ट पर लगे विभिन्न देशों के इमिग्रेशन स्टैम्प भी इस लंबी यात्रा की गवाही देती है। "10वीं-12वीं से ही मुझे देश दुनिया घूमने का फील आने लगा था। मैंने नेपाल से यात्रा की शुरुआत की। कुछ दिनों तक मुझे दिक्कतें आती रहीं लेकिन बाद में यूज-टू हो गया। 10 साल तक मैंने सिर्फ दुनियाभर की यात्राएं की इस दौरान मेरे 6 पासपोर्ट के पन्ने भर गए। ब्राजील पहुंचकर मेरा 197 देश घूमने का सपना पूरा हुआ। मैंने ये यात्राएं बेहद ही कम बजट में हिचहाइकिंग करते हुए की।"- नोमैड शुभम, 197 देश घूमने वाले ट्रेवल ब्लॉगर

हुआ। शुभम कुमार ने दावा किया कि पिछले कई वर्षों से उनके यूट्यूब वीडियो, इंस्टाग्राम पोस्ट और अलग-अलग देशों से साझा किए गए यात्रा दस्तावेज लगातार इस सफर की कहानी बताते रहे हैं।



मुंगेर के छोटे से गांव से शुरू हुआ बड़ा सपना ब्राजील पहुंचकर 197 देशों की यात्रा कंप्लीट करने का मैसेज

मुंगेर के छोटे से गांव से शुरू हुआ बड़ा सपना : नोमैंड शुभम का जन्म बिहार के मुंगेर जिले के असरगंज प्रखंड के मकवा गांव में हुआ। साधारण परिवार में पले-बढ़े शुभम के पिता सतीश कुमार सत्य सेवानिवृत्त प्राचार्य हैं, जबकि मां गौरी देवी गृहिणी हैं। दो भाइयों और एक बहन में शुभम सबसे बड़े हैं। IAS की राह छोड़ चुना दुनिया देखने का रास्ता : बचपन से ही उनके भीतर दुनिया देखने की जिज्ञासा थी। शुभम बताते हैं कि परिवार चाहता था कि वे पढ़-लिखकर अच्छी नौकरी करें। कुछ समय तक उन्होंने इंजीनियरिंग की तैयारी भी की, लेकिन उनका मन किताबों से ज्यादा दुनिया को करीब से देखने में लगता था। 10 साल में नाप दिया 197 देश : करीब 13-14 साल की उम्र में उनके भीतर यात्रा का सपना जन्म ले चुका था। 2018 में लद्दाख की यात्रा ने इस जुनून को नई दिशा दी। उसी यात्रा के बाद उन्होंने तय कर लिया कि वे दुनिया के हर देश तक पहुंचेंगे। आर्थिक रूप से साधारण परिवार और

अंग्रेजी भाषा पर सीमित पकड़ के बावजूद उन्होंने कभी अपने सपनों को छोटा नहीं होने दिया। IAS की तैयारी का बहाना और पहुंच गए

असलियत कुछ और थी। दिल्ली जाने के बजाय उन्होंने मलेशिया की फ्लाइट पकड़ ली और वहीं से उनकी अंतरराष्ट्रीय यात्राओं का नया अध्याय शुरू हुआ। बाद में

शुरू हुई। इसके बाद उन्होंने रूस, चीन, थाईलैंड, लाओस और मध्य एशिया के कई देशों की यात्रा की। रूस में उन्होंने किशोर अवस्था में लगभग 3,000 किलोमीटर



₹500 प्रतिदिन के बजट में दुनिया घूमने की कहानी : शुभम कुमार ने होटलों की बजाय स्थानीय लोगों के घरों में रहना, लोकल बसों और ट्रेनों से यात्रा करना और सड़क मार्ग से सीमाएं पार करना अपनी यात्रा का हिस्सा बनाया। उनकी सबसे बड़ी खासियत उनका बेहद कम खर्च वाला यात्रा मॉडल रहा। सीमित संसाधन भी नहीं बन सके राह का रोड़ा : शुभम कुमार ने शुरूआती वर्षों में लगभग 10 से 12 हजार रुपये प्रतिमाह के बजट में यात्रा की। कई देशों में उनका दैनिक खर्च करीब 500 रुपये तक सीमित रहा। वे हिचहाइकिंग, लोकल ट्रांसपोर्ट, काउन्सलिंग, स्वयंसेवी कार्य और बेहद साधारण जीवनशैली के जरिए खर्च कम करते रहे।

मलेशिया : शुभम अपनी जिंदगी का एक दिलचस्प किस्सा भी साझा करते हैं। उन्होंने परिवार से कहा था कि वे दिल्ली जाकर IAS की तैयारी करेंगे, लेकिन

उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को मजाकिया अंदाज में "IAS Cover Story" नाम दिया। नेपाल से शुरू हुआ विदेश का सफर : शुभम की पहली विदेश यात्रा नेपाल से

तक हिचहाइकिंग की। यानी अनजान लोगों से लिफ्ट लेकर हजारों किलोमीटर का सफर तय किया। यही तरीका आगे चलकर उनकी पहचान बन गया।



छह पासपोर्ट भर गए लेकिन जुनून नहीं रुका

197 देशों की यात्रा आसान नहीं थी। शुभम बताते हैं कि इस दौरान उन्हें वीजा, इमिग्रेशन और सीमाई नियमों जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि इक्वाडोर में उन्हें सिर्फ इसलिए मुश्किल हुई क्योंकि उनके पासपोर्ट में वीजा स्टैप लगाने के लिए खाली पन्ने नहीं बचे थे। इस पूरी यात्रा के दौरान उनके छह पासपोर्ट भर चुके हैं। होटलों से ज्यादा लोगों के घरों में बिताई रातें : दुनिया की यात्रा के दौरान शुभम ने होटलों की बजाय काउचसर्फिंग और स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी पर भरोसा किया। अलग-अलग देशों के लोगों ने उन्हें अपने घरों में जगह दी, स्थानीय संस्कृति से परिचित कराया और कई बार भोजन तक उपलब्ध कराया। यही अनुभव उनकी यात्रा को सिर्फ पर्यटन नहीं, बल्कि दुनिया की विविध संस्कृतियों को करीब से समझने का माध्यम बनाते रहे। यूट्यूब बना पहचान और यात्रा का साथी : शुभम ने अपनी हर यात्रा को कैमरे में रिकॉर्ड किया। उनके यूट्यूब और इंस्टाग्राम चैनलों पर दुनिया के अलग-अलग देशों के हजारों वीडियो मौजूद हैं। बिना दिखावे और लक्जरी के वास्तविक यात्रा अनुभवों ने उन्हें लाखों दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनाया। सोशल मीडिया से मिली आय ने आगे की यात्राओं में भी उनकी मदद की। परिवार को आज बेटे पर गर्व : शुभम के पिता सतीश कुमार सत्य कहते

हैं कि बचपन से ही शुभम कुछ अलग करने की सोच रखते थे। शुरुआत में परिवार को उनकी चिंता जरूर थी, लेकिन उन्होंने अपने साहस और मेहनत के दम पर दुनिया में अलग पहचान बनाई। “शुभम बचपन से ही कुछ अलग करने की सोच रखता था। उसने अपने सपनों को कभी छोड़ा नहीं। आज उसकी इस उपलब्धि पर पूरे

को लेकर चिंता रहती थी। लेकिन मुझे भरोसा था कि वह अपने सपनों को जरूर पूरा करेगा। आज उसकी इस उपलब्धि पर मुझे बहुत गर्व है।” - गौरी देवी, शुभम की मां भैया की उपलब्धि पर पूरे परिवार को गर्व : नोमैंड शुभम की छोटी बहन काजल ने अपने भाई की उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें हमेशा विश्वास था कि उनके भैया अपने

पूरे परिवार को गर्व है।” आधिकारिक पुष्टि का जांच पूरी होने तक इंतजार : उनकी यह शानदार यात्रा इंटरनेट पर काफी वायरल है। उनकी कहानी कई प्रमुख राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय समाचार पोर्टल्स पर प्रकाशित हुई है। हालांकि, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स जैसी आधिकारिक संस्था द्वारा ‘सबसे कम उम्र में सभी देश घूमने’ के रिकॉर्ड



‘मेरा बेटा हर मुश्किल से सुरक्षित निकल आया’ : शुभम की मां गौरी देवी कहती हैं कि शुभम ने कठिन परिस्थितियों, आर्थिक चुनौतियों और लगातार संघर्ष के बावजूद कभी हिम्मत नहीं हारी। उसने जो सपना देखा था, उसे सच कर दिखाया। भगवान ने उसे हर मुश्किल से सुरक्षित निकाला और आज वह दुनिया के हर कोने तक पहुंच गया।

परिवार के साथ-साथ बिहार और देश को भी गर्व होना चाहिए।” “शुभम बचपन से ही कुछ अलग करने की जिद रखता था। शुरु में जब वह घर से दूर-दूर की यात्राओं पर जाता था तो एक मां होने के नाते हमेशा उसकी सुरक्षा

सपनों को एक दिन जरूर पूरा करेंगे। काजल ने कहा- “भैया बचपन से ही बड़े सपने देखते थे और उन्हें पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करते थे। उन्होंने कभी मुश्किलों से हार नहीं मानी। आज उनकी इस उपलब्धि पर

के रूप में उनकी अंतिम आधिकारिक पुष्टि अभी तक लंबित या विचाराधीन है। इस तरह के औपचारिक रिकॉर्ड सत्यापन में दस्तावेजों की व्यापक समीक्षा के कारण लंबा समय लग सकता है।



CJP बोली- निहत्थों को पीटा, लाठीचार्ज किया वांगचुक बोले- अनशन नहीं तोड़ूंगा

कॉकरोच जनता पार्टी ने सोमवार को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकाला। सुबह 8 से शाम 5 बजे तक चले प्रदर्शन के दौरान कई बार प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हुई। सुबह 8 बजे शुरू हुए प्रदर्शन में 10 बजे प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़कर संसद की ओर मार्च किया। आंदोलनकारी जंतर-मंतर से संसद मार्ग, जनपथ चौराहा, वॉर मेमोरियल, कर्तव्य पथ, विजय चौक होते हुए संसद के करीब पहुंचे। संसद में घुसने की कोशिश की, जिसके बाद संसद की सुरक्षा बढ़ा दी गई, मुख्य द्वार बंद कर दिया गया। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। देर शाम को पथराव की तस्वीरें भी सामने आईं। इसमें 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी और इतने ही प्रदर्शनकारी भी घायल हुए। CJP ने आरोप लगाया कि निहत्थे आंदोलनकारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोल दागे। इस दौरान कई लोगों के घायल होने की फोटो सामने आईं। पुलिस ने शाम 5 बजे तक जंतर-मंतर को खाली करा लिया। हालांकि रात करीब 11 बजे CJP समर्थक जंतर-मंतर पहुंचे और फिर से प्रदर्शन शुरू कर दिया। जेपी नड्डा और कॉकरोच जनता पार्टी के डेलीगेशन के बीच बातचीत हुई। नड्डा ने कार्रवाई न करने का आश्वासन दिया। CJP प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात



कर 3 मांगें रखीं। पहली- सोनम वांगचुक को तत्काल रिहा किया जाए। दूसरी- शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान इस्तीफा दें या उन्हें हटाया जाए। तीसरी- कथित तौर पर जान गंवाने वाले 20 से ज्यादा NEET अभ्यर्थियों के परिवारों को 1-1 करोड़ रुपए का मुआवजा मिले। धर्मेन्द्र

प्रधान और अमित शाह के बीच लंबी बैठक हुई, लेकिन बातचीत का विषय क्या था, इसकी जानकारी सामने नहीं आई। अभिजीत दीपके ने अनशन तोड़ा, उनके अलावा 22 दिन से भूख हड़ताल कर रहे 3 और स्टूडेंट्स ने अनशन खत्म कर दिया। सोनम वांगचुक

ने अनशन तोड़ने से इनकार कर दिया। कहा- शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोनम की पत्नी गीतांजलि अंग्मो की याचिका पर सुनवाई की। वांगचुक की हेल्थ रिपोर्ट मांगी है। 21 जुलाई को फिर सुनवाई होगी।



राजधानी में तेज हवा के साथ बारिश से मौसम हुआ सुहावना

लखनऊ में रेन अलर्ट: मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार शनिवार को लखनऊ में बादलों की आवाजाही रहेगी, कुछ स्थानों पर गरज चमक के साथ बारिश हो सकती है। वहीं आइसोलेटेड स्थानों पर बिजली गिरने की भी संभावना है। अधिकतम तापमान 30 न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को सुबह से ही बादलों की आवाजाही रही। सुबह के समय हल्की बारिश हुई, दिन के समय तेज रफ्तार हवाओं के साथ जोरदार बारिश हुई। जिससे मौसम सुहावना बना रहा। वहीं तेज रफ्तार बारिश होने के कारण लखनऊ के प्रमुख सड़कों और गलियों में कुछ देर के लिए जल भराव हो गया।

उरई सबसे गर्म जिला: शुक्रवार को उत्तर प्रदेश का उरई सबसे अधिक गर्म जिला रहा, यहां पर अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड



किया गया जो कि सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान बिजनौर जिले में 22.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो कि सामान्य से 2 डिग्री

सेल्सियस कम है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. अतुल सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश में दक्षिणी पश्चिमी मानसून सक्रिय होने और पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की

उत्तर प्रदेश का उरई सबसे अधिक गर्म जिला रहा, यहां पर अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो कि सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान बिजनौर जिले में 22.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो कि सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस कम है।

वजह से उत्तर प्रदेश में लगातार भारी से ज्यादा भारी बारिश जारी है। 48 घंटे तक प्रदेश में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।



हर की पैड़ी पर अब नहीं सुनाई देगी 'भंडारा कर दो बाबूजी' की आवाज, भंडारा किंग की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

हर की पैड़ी के पास शिव सेतु पर वर्षों तक भंडारे का खाना बेचने वाले रमाशंकर गुप्ता का निधन हो गया है। वो भंडारा किंग के नाम से प्रसिद्ध थे। बीते गुरुवार को रमाशंकर गुप्ता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। हरकी पैड़ी के पास एक सार्वजनिक शौचालय से उनका शव बरामद हुआ है। फिलहाल पुलिस ने शव को क जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। नियमों में अनुसार 72 घंटे बाद यानी रविवार को बरामद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

हर की पैड़ी पर 'भंडारा कर दो बाबूजी' कहने वाले रमाशंकर नहीं रहे। भंडारे का सामान बेचने के चलते ही रमाशंकर गुप्ता सोशल मीडिया पर फेमस हुए थे और सोशल मीडिया ने ही उन्हें भंडारा किंग नाम दिया। लेकिन हरकी पैड़ी के पास शिव सेतु पर गुंजने वाली आवाज भंडारा कर दो बाबूजी, 100 में पांच बाबा, 200 रुपये में 11 बाबा खाएंगे, सुनाई देने वाली आवाज अब हमेशा के लिए खामोश हो गई है। भंडारा किंग के नाम से मशहूर थे

उत्तर प्रदेश का उर्दू सबसे अधिक गर्म जिला रहा, यहां पर अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो कि सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक है। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान बिजनौर जिले में 22.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया जो कि सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस कम है। अब कभी नहीं सुनाई देगी रमाशंकर गुप्ता की आवाज: कालू वर्मा ने बताया कि हरकी पैड़ी पर आने वाले श्रद्धालु उन्हें देखते ही रुक जाते थे और अपनी श्रद्धा के अनुसार सहयोग करते थे। अब उनकी आवाज कभी सुनाई नहीं देगी, यह सोचकर ही मन दुखी हो जाता है। हरीश बताते हैं कि भले ही इस काम के लिए रमाशंकर को कमीशन मिलता था, लेकिन उनके जरिए भूखों को दो वक्त की रोटी मिल जाती थी। लेकिन आज वो आवाज खामोश हो गई है।

रमाशंकर गुप्ता: बाहर से हरिद्वार और खासकर हर की पैड़ी आने वाले श्रद्धालुओं के बीच भंडारा किंग बाबा के नाम से प्रसिद्ध रमाशंकर गुप्ता का दो दिन पहले निधन हो गया था। उनके निधन से हरिद्वार की एक ऐसी आवाज दब गई है, जिसे हर की पैड़ी आने वाला लगभग हर श्रद्धालु जानता था। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर भंडारा किंग रमाशंकर गुप्ता की अलग अलग पोस्ट वायरल होती रही। हालांकि उनकी हरिद्वार में मौत की पुष्टि नहीं हो रही थी। हरकी पैड़ी के पास एक सार्वजनिक शौचालय से

उनका शव बरामद हुआ था। रमाशंकर का कोई रिश्तेदार नहीं था, इसलिए उनकी शिनाख्त के लिए शव को क जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया था। रमाशंकर गुप्ता कई साल पहले हरिद्वार आए थे और हरकी पैड़ी के आसपास पहले गुजर बसर करते थे। बाद में उन्होंने खाना बेचने का काम सीख लिया था। आसपास की दुकानों से खाना लेकर वो कमीशन पर बेचते और मेहनत की कमाई से अपना खर्च चलाते थे। वो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के निवासी थे लेकिन वर्षों पहले हरिद्वार

को ही अपना ठिकाना बना लिया था। जरूरतमंदों के लिए भंडारा कराने की अपील करते थे: कमल बताते हैं कि वह रोजाना हर की पैड़ी के निकट शिवसेतु पर बैठकर आने जाने वाले श्रद्धालुओं से हाथ जोड़कर गरीबों और जरूरतमंदों के लिए भंडारा कराने की अपील करते थे। इसके लिए ही उन्हें कमीशन मिलता था। भंडारा कर दो बाबूजी की आवाज शिव सेतु की पहचान बन चुकी थी। कुछ समय पहले एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने उनकी वीडियो बनाई और वो भंडारा किंग के नाम से मशहूर हो गए।



नौसेना को मिला INS महेंद्रगिरी, राजनाथ बोले- ड्रोन हब के तौर पर जाना जाएगा यह इलाका

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज शनिवार को यहां विशाखापत्तनम डॉकयार्ड में INS महेंद्रगिरी को कमीशन किया। इससे इंडियन नेवी के बाड़े में एक और स्टेट-ऑफ-द-आर्ट वॉरशिप शामिल हो गया है। बता दें, यह एक स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट और प्रोजेक्ट 17A नीलगिरी-क्लास का छठा वॉरशिप है। कमीशनिंग सेरेमनी के दौरान राजनाथ सिंह को गार्ड ऑफ ऑनर भी मिला। जानकारी के मुताबिक पूर्वी घाट में महेंद्रगिरी पहाड़ों के नाम पर रखा गया यह फ्रिगेट लचीलेपन, ताकत और पक्के इरादे का प्रतीक है। इस नाम वाला पहला भारतीय नेवी का वॉरशिप होने के नाते, महेंद्रगिरी सच में अपने आप में अनोखा है। उम्मीद है कि यह वॉरशिप एक खास पहचान बनाएगा और भारत के समुद्री इतिहास में एक और अध्याय जोड़ेगा। इस अवसर पर राजनाथ सिंह ने कहा कि मैंने पहले भी आठ ड्रोन कंपनियों के ग्रुप द्वारा कुरुनूल में 'ड्रोन सिटी' बनाने के बारे में बात की थी। जैसे सूरत को 'डायमंड सिटी' और बेंगलुरु को देश की 'सिलिकॉन वैली' के नाम से जाना जाता है, मुझे विश्वास है कि एक दिन इस इलाके को देश के 'ड्रोन हब' के तौर पर पहचाना जाएगा।

इस अनोखे इतेफाक पर गौर करें: आसमान में AMCA (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट), समुद्र की गहराई में BDL (भारत डायनेमिक्स लिमिटेड) के नेवल सिस्टम, बिना पायलट वाले इलाके में कुरुनूल के ड्रोन, और आज, समुद्र की सतह पर INS महेंद्रगिरी।

और लोगों को दिल से बधाई देता हूं, इंडियन नेवी के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो (WDB) ने इसे इन-हाउस डिजाइन किया है और मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) ने इसे बनाया है। महेंद्रगिरी, प्रोजेक्ट 17A क्लास के स्टील्थ फ्रिगेट का छठा जहाज

के साथ, यह जहाज भारत सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल की सफलता को दिखाता है और भारतीय जहाज बनाने के सिस्टम की बढ़ती क्षमता को दिखाता है। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि जहाज के कंस्ट्रक्शन में माइक्रो, स्मॉल और



इसका मतलब है कि आज, आंध्र प्रदेश हर क्षेत्र - हवा, पानी, जमीन और बिना पायलट वाले इलाके में भारत की रक्षा क्षमताओं में योगदान दे रहा है। मैं इस कामयाबी पर आंध्र प्रदेश सरकार

है। यह जहाज देसी वॉरशिप डिजाइन और कंस्ट्रक्शन में भारत की बढ़ती एक्सपर्टीज को दिखाता है। जो जानकारी मिली है उसके अनुसार 75 परसेंट से ज्यादा स्वदेशी सामान

मीडियम एंटरप्राइज (MSMEs) समेत कई भारतीय इंडस्ट्रीज शामिल हुई हैं, जिससे देश का डिफेंस इंडस्ट्रियल बेस मजबूत हुआ है और काफी रोजगार पैदा हुए हैं।



स्कूल में नहीं, 1097 किमी दूर बैठकर हाजिरी! इन 6 शिक्षकों पर गिरी गाज

बिहार के किशनगंज जिले में ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर फर्जी 'मार्क ऑन ड्यूटी' दर्ज कर सरकारी व्यवस्था को ठगने का मामला सामने आने के बाद शिक्षा विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। जिला शिक्षा पदाधिकारी (स्थापना) ने ठाकुरगंज प्रखंड के पांच शिक्षकों समेत कुल छह शिक्षक-प्रधानाध्यापकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

जांच में चौकाने वाले खुलासा: 14 मई 2026 को जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (समग्र शिक्षा) द्वारा ई-शिक्षाकोष पोर्टल की जांच के दौरान यह फर्जीवाड़ा उजागर हुआ। जांच रिपोर्ट के अनुसार संबंधित शिक्षकों ने विद्यालय में उपस्थित हुए बिना सैकड़ों किलोमीटर दूर से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। किसी शिक्षक की लोकेशन विद्यालय से 1097 किलोमीटर, किसी की 632 किलोमीटर तो किसी की 490, 404, 297 और 155 किलोमीटर दूर पाई गई।

निलंबित शिक्षकों के नाम: इस मामले में निलंबित शिक्षकों में मो. नाहिद रजा (मध्य विद्यालय

भोगडाबर), सोनम राय (उत्कर्मित मध्य विद्यालय डांगीबस्ती), प्रवीण कुमार (नया प्राथमिक विद्यालय गिधीनगोला पासवान टोला),

हुसैन अंसारी (प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय, पोठिया) शामिल हैं। विभागीय कार्रवाई शुरू: जिला शिक्षा पदाधिकारी ने इन शिक्षकों के

बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली के तहत विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है। सभी को आरोप-पत्र जारी किया



ई-शिक्षाकोष पोर्टल राज्य सरकार की डिजिटल उपस्थिति प्रणाली है जिसका उद्देश्य सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना और पारदर्शिता लाना है। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस डिजिटल व्यवस्था के दुरुपयोग को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों की समय-समय पर मॉनिटरिंग कर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

महबूब आलम (उत्कर्मित मध्य विद्यालय दुराघाटी), लोकेश कुमार (उच्च माध्यमिक विद्यालय बरचौदी) ठाकुरगंज प्रखंड से तथा सहादत

विरुद्ध प्रथम दृष्टया गंभीर कदाचार, सरकारी आदेशों की अवहेलना, अनुशासनहीनता और विद्यार्थियों के हितों के साथ खिलवाड़ मानते हुए

गया है और विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन-निर्वाह भता मिलेगा।



झारखंड में आतंकियों के स्लीपर सेल की तलाश, 61 संदिग्धों की पहचान

आतंकी स्लीपर सेल भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चिंता बनी हुई है। लगातार सुरक्षा एजेंसियां संदिग्धों की पहचान कर कार्रवाई में जुटी हुई हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों से लगातार किसी ना किसी संदिग्ध के पकड़े जाने की खबरें आती हैं। झारखंड भी इससे अछूता नहीं है।

झारखंड एक ऐसा राज्य है जो अक्सर संदिग्ध आतंकी गतिविधियों को लेकर चर्चा में रहता है। पटना के गांधी मैदान में रैली के दौरान विस्फोट हो या फिर आरएसएस कार्यालय पर हमला मामला, झारखंड हमेशा से आतंकियों के स्लीपर सेल के लिए आश्रय स्थल के रूप में चर्चित रहा है। विदेश मंत्रालय ने सभी सक्रिय संदिग्धों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया है। जिसके बाद अब झारखंड में भी सक्रिय संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी गई है।

झारखंड के 6 जिलों में सक्रिय आतंकी नेटवर्क से जुड़े संदिग्धों की तलाश तेज हो गई है। इस कड़ी में 61 संदिग्ध चिन्हित भी कर लिए गए हैं। झारखंड एटीएस के पास बकायदा उनकी पूरी डिटेल् तक पहुंच चुकी है। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के निर्देशों के बाद झारखंड एंटी टेररिस्ट स्क्वाड ने राज्यभर में कड़ी निगरानी शुरू की है। अब तक के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, राज्य में ISIS और अलकायदा से जुड़े कुल 61 संदिग्ध हैं। इनमें 12 लोगों का संबंध ISIS

से जबकि 49 लोगों का संबंध अलकायदा से बताया गया है। विदेश मंत्रालय के पत्र के आलोक में एटीएस ने इस संबंध में कुछ महीने पहले ही पुलिस मुख्यालय को पत्र भेजकर अपनी प्लानिंग तैयार की थी। इसके साथ ही राज्य के सभी 24 जिलों के पुलिस अधीक्षकों को भी निर्देश जारी किए गए हैं

ने 3 अप्रैल 2026 को सभी राज्यों को पत्र भेजा था। इसमें बताया गया था कि 26 मार्च 2026 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ISIL (दाएश) और अलकायदा से जुड़े व्यक्तियों एवं संस्थाओं के खिलाफ प्रतिबंधों को लागू करने का निर्णय लिया है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय-7 के तहत लिए गए

कार्रवाई की तैयारी शुरू की है। एटीएस के रिकॉर्ड में कुल 61 संदिग्ध चिन्हित किए गए हैं। इनमें 12 लोगों को ISIS से जुड़ा माना गया है, जबकि 49 लोगों को अलकायदा से संबंधित मामलों में सूचीबद्ध किया गया है। इन सभी की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह सभी जानते हैं कि झारखंड लंबे समय तक नक्सलवाद की बड़ी चुनौती से जूझता रहा, लेकिन इसी बीच साल 2000 के बाद से ही संदिग्ध आतंकियों के स्लीपर सेल भी झारखंड में एक्टिव हो चुके थे। अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों ISIS (आईएसआईएस), अलकायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (AQIS) और हिज्ब-उत-तहरीर (HuT) से जुड़े मॉड्यूल सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियों के कान खड़े हो गए। देश के अन्य राज्यों में हुई कई घटनाओं में झारखंड के स्लीपर सेल्स का नाम सामने आया। गिरफ्तारियां हुई उसके बाद बकायदा झारखंड में एटीएस का गठन किया गया। झारखंड में पिछले 20 सालों के दौरान 24 से ज्यादा संदिग्धों को राज्य पुलिस की एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (ATS), राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने कई बार संयुक्त अभियान चलाकर गिरफ्तार किया है। फिलहाल एटीएस द्वारा राज्यभर में 61 संदिग्धों की पहचान किए जाने के बाद यह मुद्दा फिर चर्चा में है।



कि इन संदिग्धों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जाए और आवश्यक सूचनाएं एटीएस के साथ साझा की जाएं। दरअसल, भारत सरकार के विदेश मंत्रालय

इस फैसले में संपत्ति जब कराने, यात्रा पर रोक लगाने और हथियारों से जुड़े प्रतिबंध लागू करने का प्रावधान है। इसी के अनुपालन में झारखंड एटीएस ने राज्य में



गन्ना मूल्य ₹315 से बढ़कर
₹400 प्रति क्विंटल

यूपी ने हैकरके दिखाया

किसान कल्याण



3.12 करोड़ किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
के अंतर्गत ₹1,03,391 करोड़+ की राशि अंतरित



भारतीय किसान यूनियन का प्रदर्शन मटका चौक तक तक निकाला रोष मार्च

भारत-अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते और पंजाब सरकार की नई लैंड पूलिंग नीति के विरोध में शुक्रवार को पंजाब की विभिन्न किसान जत्थेबंदियों ने चंडीगढ़ में जोरदार प्रदर्शन किया। भारतीय किसान यूनियन (एकता उग्राहां) की अगुवाई में सुबह सेक्टर-34 के प्रदर्शनी मैदान में धरना दिया गया, जिसके बाद किसान मटका चौक तक रोष मार्च के लिए रवाना हुए। प्रदर्शन को देखते हुए पूरे रूट पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया। 30 हजार के करीब किसान चंडीगढ़ के एक्सिबिशन ग्राउंड में इकठा हुए। चंडीगढ़ में किसानों का प्रदर्शन: किसान नेता जोगिंदर सिंह उग्राहां ने कहा कि यदि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता लागू होता है, तो इसका सबसे ज्यादा असर किसानों और छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा। उनका कहना था कि सस्ते विदेशी कृषि उत्पाद भारतीय बाजार में आने से स्थानीय किसानों की आय प्रभावित होगी और छोटे कारोबारियों के सामने भी संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार से इस समझौते को लागू नहीं करने की मांग

की। भारत अमेरिका व्यापार समझौते का विरोध: उग्राहां ने पंजाब सरकार की नई लैंड पूलिंग पॉलिसी पर भी

आधार है और ऐसी नीतियां उनके हितों के खिलाफ हैं। उन्होंने बढ़ती महंगाई का मुद्दा भी उठाया। उनका कहना था

कदम उठाने चाहिए। भारी पुलिसबल रहा तैनात: प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहे।



30 हजार के करीब किसान चंडीगढ़ के एक्सिबिशन ग्राउंड में इकठा हुए। चंडीगढ़ में किसानों का प्रदर्शन: किसान नेता जोगिंदर सिंह उग्राहां ने कहा कि यदि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता लागू होता है, तो इसका सबसे ज्यादा असर किसानों और छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा।

सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसान पहले ही इस नीति का विरोध कर चुके हैं और सरकार को इसे तुरंत वापस लेना चाहिए। उनका कहना था कि खेती की जमीन किसानों की आजीविका का

कि अंतरराष्ट्रीय हालात, विशेषकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव, का असर आम लोगों पर पड़ रहा है और लगातार बढ़ रही महंगाई से लोगों को राहत देने के लिए सरकार को ठोस

सेक्टर-34 से मटका चौक तक मार्च के रूट पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।



बारिश के बीच हिमाचल में स्कूलों को लेकर बड़ा फैसला, अब हर जिले में छुट्टी पर अलग होगा फैसला

हिमाचल प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और लैंडस्लाइड की घटनाओं के बीच प्रदेश सरकार ने छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बड़ा फैसला लिया है। अब पूरे प्रदेश में एक साथ स्कूल बंद करने के बजाय हर जिले की वास्तविक मौसम स्थिति के आधार पर फैसला लिया जाएगा। यानी जिस जिले में बारिश, बाढ़, लैंडस्लाइड या अन्य प्राकृतिक आपदा का खतरा होगा, वहां के डीसी स्थानीय परिस्थितियों का आकलन कर सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित कर सकेंगे। सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि अगर किसी जिले में स्कूल बंद करने का आदेश जारी होता है तो उस दौरान शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को भी संस्थानों में उपस्थित होने की जरूरत नहीं होगी।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने सीबीएसई स्कूलों के विस्तार को लेकर भी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री की साल 2025 की घोषणा के अनुरूप अब तक प्रदेश के 150 सरकारी स्कूलों को सीबीएसई संबद्धता मिल चुकी है। आगामी 20 जुलाई को होने वाली कैबिनेट बैठक में इन स्कूलों में

शिक्षकों की तैनाती को लेकर विस्तृत चर्चा होगी। उन्होंने यह भी बताया कि सीबीएसई स्कूलों में अब तक करीब 2500 विद्यार्थियों के नामांकन में कमी

शिक्षकों सहित करीब 2500 से 3000 पदों पर भर्ती की तैयारी चल रही है। इसके अलावा करीब 400 सहायक प्रोफेसरों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। सरकार का लक्ष्य

पर कर चुकी है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में स्कूल और उच्च शिक्षा विभाग में करीब 8000 नियुक्तियां हो चुकी हैं, जबकि 3000 के



“मानसून के दौरान बच्चों की सुरक्षा सरकार की पहली प्राथमिकता है। इसलिए जिला प्रशासन को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार त्वरित फैसला लेने के अधिकार दिए गए हैं। अभिभावकों से भी अपील की कि खराब मौसम के दौरान प्रशासन की एडवाइजरी का पालन करें और अनावश्यक यात्रा से बचें।” - रोहित ठाकुर, शिक्षा मंत्री

दर्ज की गई है, जिसे लेकर सरकार स्थिति की समीक्षा कर रही है। रोहित ठाकुर ने शिक्षा विभाग में बड़े पैमाने पर होने वाली भर्तियों का भी संकेत दिया। उन्होंने बताया कि संस्कृत और पंजाबी

अपने कार्यकाल में शिक्षा विभाग में 10 से 11 हजार तक भर्तियां पूरी करने का है। उन्होंने कहा कि राज्य चयन आयोग के जरिए वर्तमान सरकार पहले ही करीब 4000 भर्तियां बैचवाइज आधार

करीब नियुक्तियों की प्रक्रिया अभी जाती हैं। उन्होंने कहा कि जेबीटी शिक्षकों के 1800 स्वीकृत पदों में से करीब 1200 पदों को भरने की प्रक्रिया चल रही है और शेष 600 पदों पर भी जल्द भर्ती की जाएगी।



आखिरकार राम मंदिर पहुंचे नृपेंद्र मिश्र बोले राम मंदिर में चढ़ावा चोरी से लगा कलंक

राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र बोले अपने आप में यह कलंक है। हम सभी अपने आपको छोटा महसूस कर रहे हैं। उम्मीद है कि अब व्यवस्थाओं में सुधार होगा और इसकी पुनरावृत्ति नहीं होगी।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण के बाद परिसर के बाउंड्रीवॉल सहित ट्रस्ट भवन, अतिथि भवन व ऑडिटोरियम के निर्माण कार्य का जायजा लिया। इसके बाद कार्यदायी संस्थाओं के इंजीनियरों के साथ बैठक कर रहे हैं।

इसके पूर्व नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि राम मंदिर निर्माण को लेकर उन्होंने कहा कि जो पुराना मंदिर स्मारक है, वह लगभग पूरा हो चुका है और अब 24 घंटे उसमें ज्वाला जले इसकी व्यवस्था की जा रही है। हुतात्मा स्मारक जुलाई की अंत तक तैयार हो जाएगा। 30 जुलाई तक राम मंदिर के सभी कार्य पूर्ण हो जाएंगे। केवल दो कार्य शेष बचेगा। बाउंड्री वालों की, जो कि चार किमी की है। वह भी उम्मीद है 30 सितंबर तक पूरा हो जाएगा।

ऑडिटोरियम भी दिसंबर तक बनकर तैयार हो जाएगा। राम कथा संग्रहालय में 20 गैलरी बनाई गई है सब की स्टोरी

लाइन बन गई है, वीडियो कैसा होगा, आज और कल की बैठक में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीईओ

सोमवार को टीम अयोध्या आकर जांच को अंतिम रूप दे सकती है। एसआईटी ने चढ़ावा चोरी मामले में की गई प्राथमिक

एसआईटी अयोध्या पहुंची थी। उसके बाद से अब तक नहीं आई है। सूत्र बताते हैं कि जमीन से संबंधित कागजातों को वह



की नियुक्ति के लिए तीन सदस्य समिति बनाई गई है, वह उसका फैसला करेगी। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण में एसआईटी अंतिम तिथि 15 जुलाई को अंतिम रिपोर्ट सौंपेगी। माना जा रहा है कि

जांच के बाद आठ आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करने की संस्तुति की थी। दूसरे चरण की जांच में ट्रस्ट द्वारा जमीन खरीद फरोख्त में अनियमितता के आरोपों की जांच कर रही है। दो व तीन जुलाई को

अपने साथ ले गई है। इस पर लखनऊ में ही कानूनी सलाहकारों से विचार विमर्श किया जा रहा है। माना जा रहा है कि जल्द ही इससे संबंधित रिपोर्ट 15 जुलाई को सीएम कार्यालय को सौंप सकती है।



सीएम योगी का बड़ा भरोसा: 'हर पीड़ित की समस्या का समाधान हमारी प्राथमिकता'

गोरखनाथ मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनता से मिले। जनता दर्शन कार्यक्रम के तहत सीएम योगी ने लोगों की समस्याएं सुनी, और त्वरित समाधान के अधिकारियों को निर्देश दिए। सीएम योगी ने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं।

'घबराइए मत, हम साथ हैं': 'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों को इस बात का भरोसा दिलाया कि, आप लोग घबराइए नहीं, आपकी हर समस्या के समाधान को लेकर सरकार पूरी तरह गंभीर है। सरकार सबकी भरपूर मदद करेगी। जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में किया गया

महिलाओं को सुरक्षा का भरोसा: जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने पट्टीदारों द्वारा तो कुछ ने दबंगों द्वारा उनकी जमीन क जा करने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि, पारिवारिक जमीनी विवादों की स्थिति में पैमाइश और अन्य जांच कराने के बाद निष्पक्ष समाधान किया जाए। इलाज के लिए आर्थिक मदद: हर बार की तरह शनिवार को भी जनता दर्शन में कुछ लोग

गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। ऐसे मामलों में सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि, इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की

शनिवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। प्रातःकाल गुरु गोरखनाथ और अपने ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेधनाथ जी

के चलते, मुख्यमंत्री के निर्देश पर लोगों की सुविधा के लिए शनिवार सुबह जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति



हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें, और तत्परता से उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं.- यदि किसी दबंग ने किसी गरीब की जमीन हड़पी है तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए. योगी आदित्यनाथ, सीएम

प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें। मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान

का आशीर्वाद लेने के बाद सीएम योगी ने मंदिर की गोशाला में गौसेवा की। उन्होंने गोवंश को अपने हाथ से गुड़-रोटी खिलाकर उन पर स्नेह बरसाया बारिश

भवन सभागार में किया गया। इस दौरान सीएम योगी ने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया।



‘बेबी डू डाई डू’ के प्रमोशन के लिए स्टार कास्ट पहुंची देहरादून, हुमा कुरैशी ने दर्शकों से कहा ‘शुक्रिया’

इन दिनों चर्चा का विषय बनी फिल्म ‘बेबी डू डाई डू’ की स्टार कास्ट शुक्रवार को देहरादून पहुंची। फिल्म को देशभर के कई शहरों में मिल रहे दर्शकों के अच्छे रिएक्शंस के बीच अभिनेत्री हुमा कुरैशी, अभिनेता रचित सिंह, मरुधर शेखावत, निर्देशक नचिकेत सामंत और निर्माता साकिब सलीम ने शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान कलाकारों ने फिल्म को मिल रहे समर्थन पर खुशी जताते हुए देहरादून के दर्शकों का विशेष रूप से धन्यवाद किया। ‘बेबी डू डाई डू’ फिल्म की स्टार कास्ट देहरादून में: संवाद कार्यक्रम के दौरान अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने कहा कि किसी भी फिल्म की वास्तविक सफलता केवल बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों से नहीं, बल्कि दर्शकों की प्रतिक्रिया से तय होती है। उन्होंने कहा कि- हुमा कुरैशी ने दर्शकों को तीन बार कहा शुक्रिया: हुमा ने कहा कि देहरादून के दर्शकों से मिले प्यार और समर्थन ने पूरी टीम को उत्साहित किया है। उन्होंने दर्शकों को तीन बार “शुक्रिया” कहते हुए उनके प्रति अपना आभार व्यक्त किया। ‘बेबी डू डाई डू’ की स्टार कास्ट का ‘इंडिया दर्शन’ फिल्म की टीम इन दिनों अपने ‘इंडिया दर्शन’ अभियान के तहत

विभिन्न शहरों का दौरा कर रही है। इसी क्रम में देहरादून को भी इस अभियान में शामिल किया गया। कार्यक्रम में मौजूद अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने कहा कि किसी

ने कहा कि- सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज और लोगों की भावनाओं को जोड़ने का भी काम करता है। जब दर्शक किसी कहानी

भावनात्मक स्तर पर संवाद स्थापित करने में सफल रही है। फिल्म निर्माता साकिब ने देहरादून के दर्शकों का आभार जताया: निर्माता साकिब सलीम ने भी देहरादून



‘बेबी डू डाई डू’ को पिछले एक सप्ताह के दौरान विभिन्न शहरों में अच्छा रिएक्शंस मिला है। कई स्थानों पर फिल्म के शो दर्शकों से खचाखच भरे रहे हैं। यह संकेत है कि फिल्म की कहानी और उसके पात्र दर्शकों से जुड़ने में सफल रहे हैं। जब किसी शहर के लोग किसी फिल्म को इतना स्नेह देते हैं, तो कलाकारों की जिम्मेदारी बनती है कि वे उनके बीच पहुंचकर उनका आभार व्यक्त करें।
-हुमा कुरैशी, अभिनेत्री-

भी कलाकार के लिए दर्शकों की प्रतिक्रिया सबसे महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि फिल्म को लेकर लोगों के बीच जो उत्साह दिखाई दे रहा है, वह पूरी टीम के लिए प्रेरणादायक है। निर्देशक नचिकेत सामंत

और उसके पात्रों से जुड़ते हैं, तो वह फिल्म निर्माण से जुड़े लोगों के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार होता है। नचिकेत के अनुसार, ‘बेबी डू डाई डू’ को मिल रहा समर्थन इसी बात का संकेत है कि फिल्म दर्शकों के साथ

के दर्शकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माण एक लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया होती है, लेकिन जब दर्शक किसी फिल्म को अपनाते हैं, तो पूरी मेहनत सफल होती दिखाई देती है।



नक्सलमुक्त बस्तर के 100 दिन पूरे

माओवाद के खूनी पैर अब बस्तर से उखड़ चुके हैं। जिस बस्तर से कभी बारूद की गंध आती थी और बमों के धमाके सुनाई पड़ते थे, आज उस बस्तर की तस्वीर बदल चुकी है। बस्तर विकास के रास्ते पर चलने नहीं बल्कि दौड़ने लगा है। इस बदलाव की कहानी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति और जवानों की हिम्मत से लिखी गई है।

अबूझमाड़ जिसे कभी माओवादियों की राजधानी भी कहा जाता था, आज वहां की सड़कों पर मुसाफिर बसें सरपट दौड़ रही हैं। नक्सलवाद के खात्मे के बाद अब बस्तर के लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही बुनियादी सुविधाओं में और इजाफा किया जाएगा। घरों तक नल-जल योजना, गांव तक पीडीएस का राशन और स्कूल से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ेंगी।

31 मार्च 2026 को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद के खात्मे का ऐलान किया था। नक्सलवाद के खात्मे

के 100 दिन अब पूरे हो चुके हैं। इन 100 दिनों में क्या कुछ बदलाव नारायणपुर में आया इसको लेकर कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने ईटीवी भारत से खास बातचीत की और विकास कार्यों को लेकर कई दावे भी किए। अबूझमाड़ के कोहकामेटा पहुंचे वन मंत्री और नारायणपुर के विधायक केदार कश्यप ने कहा, तेजी से विकसित होने वाले जिलों में जल्द नारायणपुर जिले का नाम शुमार किया जाएगा। ये दावा मंत्री केदार कश्यप ने अबूझमाड़ के कोहकामेटा हाई लेवल ब्रिज और विकास कार्यों को लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान कही। केदार कश्यप ने कहा कि नक्सलवाद खत्म होने के बाद जो बदलाव यहां दिखाई पड़ना चाहिए था वो नजर आने लगा है। मंत्री ने कहा कि शासन की योजनाएं जनता तक पहुंचने लगी हैं। सरेंडर नक्सलियों को पुनर्वासित किया जा रहा है। केदार कश्यप ने कहा कि नक्सलगढ़ अब विकासगढ़ की राह पर चल पड़ा है।



कभी यहां चलती थी माओवादियों की समानांतर सरकार

दरअसल, अबूझमाड़ कभी वो इलाका हुआ करता था, जहां माओवादियों की समानांतर सरकार चला करती थी। माओवादी खुलेआम यहां बंदूक लेकर घूमा करते थे। सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों का यहां पहुंचना चुनौतीपूर्ण हुआ करता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। जिन जवानों से कभी ग्रामीण भय खाते थे उन जवानों को अब अपना ग्रामीण रक्षक मानने लगे हैं। जनता और सरकार के बीच की दूरी विश्वास का पुल बन जाने से खत्म हो चुकी है। करीब 4 दशकों तक नक्सलवाद और पिछड़ेपन का दंश झेलने वाला अबूझमाड़ आज विकास की नई राह पर बढ़ चला है। ये बदलाव विकास से और हिंसा के खत्म होने से

आया है। विकास की राह में पिछड़े इलाकों को आगे लेकर आना हमारा लक्ष्य है। कोहकामेटा में निर्मित हाई लेवल ब्रिज इस परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। वर्षों तक पुल के अभाव में ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर नदी पार करनी पड़ता था। नक्सल प्रभावित परिस्थितियों के बीच जिला प्रशासन और पुलिस ने कभी यहां लोहे का अस्थायी पुल बनाया था, जिसे उस समय क्षेत्र की लाइफ लाइन माना गया। लेकिन समय के साथ उसके क्षतिग्रस्त होने पर स्थानीय विधायक एवं मंत्री केदार कश्यप के विशेष प्रयासों से लगभग 3 माह के भीतर युद्धस्तर पर स्थायी हाई लेवल ब्रिज का निर्माण कराया गया,



नारायणपुर को बनाएंगे सबसे विकसित जिला

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नक्सलवाद से मुक्त होने के बाद अब सरकार का पूरा फोकस विकास पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में नारायणपुर को प्रदेश के सबसे विकसित एवं समृद्ध जिलों में शामिल करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, सड़क, रोजगार, सिंचाई और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में व्यापक योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। नक्सलमुक्त होने के बाद अबूझमाड़ के गांव लगातार जिला मुख्यालय से जुड़ रहे हैं। बेहतर कनेक्टिविटी मिलने से ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि नक्सलवाद के खत्म का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, सुरक्षा बलों के जवानों और सबसे बढ़कर अबूझमाड़ की जनता को जाता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय ग्रामीणों ने सरकार पर विश्वास जताया और उसी विश्वास के आधार पर सरकार ने अपने संकल्प को पूरा करते हुए नक्सलवाद के उन्मूलन का लक्ष्य

हासिल किया। मंत्री ने कहा कि पूर्व में नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। नियद नेल्लानार योजना, कृषि विकास, वनोपज

कर रहे हैं कि विकास की प्रत्येक योजना अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। नक्सल हिंसा में शहीद हुए जवानों एवं प्रभावित परिवारों के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर मंत्री ने कहा

नक्सलियों के पुनर्वास को लेकर मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र से जुड़कर विकास की मुख्यधारा में लौटना ही सबसे बेहतर रास्ता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के



केदार कश्यप ने जनता से शांति और सौहार्द की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार और जिला प्रशासन के साथ मिलकर यदि जनता विकास कार्यों में सहभागी बनेगी तो आने वाले वर्षों में नारायणपुर पूरे छत्तीसगढ़ में विकास और समृद्धि का मॉडल जिला बनकर उभरेगा।

आधारित आजीविका, अबूझमाड़ सवें और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों को सीधे लाभ पहुंचाया जा रहा है। जिला प्रशासन और राज्य सरकार मिलकर यह सुनिश्चित

कि सरकार ऐसे सभी परिवारों के साथ खड़ी है। पूर्व में भी उन्हें नौकरी, आर्थिक सहायता और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं तथा भविष्य में भी हर संभव सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा। पूर्व

आह्वान पर आत्मसमर्पण करने वाले पूर्व नक्सलियों को कौशल विकास प्रशिक्षण, रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने की योजना पर काम किया जा रहा है, ताकि वे सम्मानजनक जीवन बिता सकें।



महतारी वंदन योजना की 29वीं किस्त सरकार ने की जारी

सीएम साय ने कहा महिलाओं को मिल रहा आर्थिक स्वावलंबन

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी योजना महतारी वंदन की 29वीं किस्त सरकार ने जारी की है. छत्तीसगढ़ के महानदी मंत्रालय भवन में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में महतारी बंधन की 29वीं किस्त को जारी किया. इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़ी सहित तमाम पदाधिकारी मौजूद थे.

महतारी बंधन योजना की 29वीं किस्त जारी होने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज महतारी वंदन योजना के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े और सेक्रेटरी शहला निगार की उपस्थिति में 29 में किस्त जारी किए हैं. 66 लाख से ज्यादा माता बहनों के खाते में 626 करोड़ से अधिक की राशि सीधे उनके खाते में गई है. मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं 29वीं किस्त के लिए सभी प्रदेश के माता बहनों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं. सीएम से ने कहा कि इस तरह से अभी तक कल 18800 करोड़ से अधिक की राशि माता बहनों



जब मैं इस तरह की महिलाओं से मिलता हूं जिनके खाते में महतारी वंदन योजना का पैसा जा रहा है जब वह महिलाएं मिलती हैं कार्यक्रमों में उनसे बात होती है तो बहुत खुशी होती है. और अलग-अलग तरीके से उनका अनुभव सुनने को आता है. इस पैसे से किस तरह से वह काम कर रही हैं. इस तरह से उपयोग करके वह आगे बढ़ा रहे हैं- विष्णुदेव साय, सीएम

के खाते में भेज चुके हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण हो रहा है. जो पैसा महिलाओं के खाते में दिया जा रहा है उसे वह कई तरह के कार्य कर रही हैं. कुछ महिलाएं बच्चों के पढ़ाई के लिए उसे पैसे को खर्च करते हैं. जबकि और महिलाएं आर्थिक स्वावलंबन के लिए

अलग-अलग तरह का कार्य करती हैं. कई बार इस तरह की चर्चा महिलाओं ने स्वयं कई कार्यक्रमों में किया है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई अपनी बेटी के नाम पर खाता खोलकर पैसा जमा कर रहा है. कोई सिलाई मशीन खरीद कर सिलाई करके हर महीना लाभ कमा रहा है. कुछ किराना दुकान

खोल कर, कुछ स जी भाजी की दुकान से अपने जीवन को आगे बढ़ा रही हैं. इस तरह से आर्थिक रूप से माता बहनों का सशक्तिकरण हो रहा है. आज महतारी वंदन योजना की 29वीं किस्त जारी की गई है. 66 लाख से अधिक माताओं-बहनों के खातों में 626 करोड़ से अधिक की राशि भेजी गई है.



श्रावणी मेला 2026: देवघर की सुरक्षा में झारखंड पुलिस का बड़ा प्लान!

श्रावणी मेला- 2026 को लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की तैयारी पूरी कर ली है। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार 25 जुलाई 2026 से 31 अगस्त 2026 तक देवघर जिला में राज्य के विभिन्न जिलों, इकाइयों और प्रशिक्षण संस्थानों से पुलिस पदाधिकारियों, जवानों एवं प्रशिक्षुओं की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। श्रावणी मेले में लाखों श्रद्धालुओं के आगमन को देखते हुए इस बार सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए हैं। भीड़ नियंत्रण, यातायात व्यवस्था, मंदिर परिसर की सुरक्षा, संवेदनशील स्थलों पर निगरानी और आपात स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जा रही है। पुलिस मुख्यालय ने स्पष्ट किया है कि पूरे मेले के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी प्रतिनियुक्त कर्मियों को पूरी सतर्कता और अनुशासन के साथ ड्यूटी करनी होगी। झारखंड पुलिस मुख्यालय के पत्र के अनुसार श्रावणी मेले को लेकर बलों की तैनाती का पूरा खाका तैयार कर लिए गया है। देवघर के बाबा धाम और दुमका स्थित बासुकीनाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था के लिए कुल 8,723 पुलिसकर्मी तैनात किए जा रहे हैं। इनमें 92 डीएसपी/पुलिस उपाधीक्षक स्तर के पदाधिकारी, 28 इंस्पेक्टर, 730 अवर निरीक्षक/समकक्ष, 1,110 सहायक अवर निरीक्षक/हवलदार, 5,365 सशस्त्र बल के जवान, 958 आईआरबी/जैप/जेआरएफ कंपनियों के जवान तथा 440 महिला पुलिसकर्मी शामिल हैं।



देवघर पुलिस भी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही

वहीं विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में शुरू होने वाले श्रावणी मेले की तैयारियों को लेकर देवघर पुलिस पूरी तरह सक्रिय हो गई है। मेला के दौरान लाखों कांवरियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधीक्षक प्रवीण पुष्कर लगातार तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं।



श्रावणी मेला : आईआरबी, जैप और जेआरएफ बटालियनों की कंपनियां भी देवघर में तैनात रहेंगी

सबसे अधिक सशस्त्र बल जमशेदपुर (500), पलामू (435), गिरिडीह (350), रांची (325), चाईबासा और गढ़वा (300-300) तथा चतरा (260) से भेजे जा रहे हैं। इसके अलावा विभिन्न आईआरबी, जैप और जेआरएफ बटालियनों की कंपनियां भी देवघर में तैनात रहेंगी। देवघर एसपी प्रवीण पुष्कर ने पुलिस अधिकारियों के साथ विभिन्न मार्गों का निरीक्षण कर कांवरियों के आवागमन, वाहन संचालन और भीड़ प्रबंधन को लेकर रूट लाइन का भी जायजा लिया। इस दौरान संवेदनशील स्थलों, प्रमुख चौराहों, पार्किंग स्थलों और मंदिर परिसर तक जाने वाले रास्तों की विशेष रूप से समीक्षा की गई। देवघर एसपी के अनुसार श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पैदल कांवरियों और वाहनों के लिए अलग-अलग रूट तय किए हैं, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था या जाम की स्थिति उत्पन्न न हो। भीड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल, दंडाधिकारी, क्यूआरटी और ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की जाएगी। वहीं सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन और कंट्रोल रूम के माध्यम से पूरे मेले की निगरानी की जाएगी।

मुख्यालय से निर्देश जारी

पुलिस मुख्यालय ने सभी पुलिस अधीक्षकों, बटालियन कमांडेंट और प्रशिक्षण संस्थानों के प्रमुखों को निर्देश दिया है कि प्रतिनियुक्त पुलिस बल को 25 जुलाई से पहले देवघर पहुंचाना सुनिश्चित करें। साथ ही 20 जुलाई तक सभी प्रतिनियुक्त कर्मियों की नामावली, मोबाइल नंबर और अन्य विवरण देवघर पुलिस को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।





हैदराबाद ई-चैंपियंस फाइनल में... करीमनगर डायमंड्स को चटाई धूल

TG20 लीग के Qualifier 2 के बड़े मुकाबले में हैदराबाद ई-चैंपियंस (Hyderabad e-Champions) ने करीमनगर डायमंड्स (Karimnagar Diamonds) को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब, रविवार 12 जुलाई को अन्विता खम्मम एसेस के साथ फाइनल मुकाबला होगा।

शुक्रवार 10 जुलाई को राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम (उप्पल, हैदराबाद) में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में करीमनगर डायमंड्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 157 रन बनाये। जवाब में हैदराबाद ई-चैंपियंस ने शानदार खेल दिखाते हुए इस लक्ष्य को 15.3 ओवरों में मात्र 2 विकेट खोकर हासिल कर लिया। हैदराबाद ई-चैंपियंस की ओर से अभिरथ रेड्डी ने शानदार कप्तानी पारी खेलते हुए 49 गेंदों में 7 चौकों और 5 छक्कों की मदद से सर्वाधिक 82 रन बनाए, जबकि साई विकास रेड्डी ने 45 रनों का योगदान दिया। वैष्णव रेड्डी ने 12 गेंद पर नाबाद 25 रन बनाये।

इससे पहले करीमनगर की टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया। उसकी शुरुआत अच्छी नहीं हुई।

राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम, उप्पल में मौजूद दर्शक

आखिरी ओवरों में शुभम शर्मा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। 18 गेंदों में नाबाद 31 रनों की आतिशी पारी खेली। जिसमें 1 चौका और 2 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे। नारायण तेजा ने 9 रन और चंदन साहनी ने 7 रनों का योगदान दिया। करीमनगर डायमंड्स ने हैदराबाद ई-चैंपियंस के सामने जीत के लिए 158 रनों का लक्ष्य रखा है। हैदराबाद ई-चैंपियंस की तरफ से अजय देव गौड़ ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 4 ओवरों में मात्र 24 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। वहीं, षण्मुखा अश्विन ने 4 ओवरों में सिर्फ 22 रन देकर 2 विकेट झटकें। प्रणव वर्मा ने 32 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। इनके अलावा अखिल राठौड़ को 1 विकेट मिला।



महिला के खाते में 740 करोड़

740 करोड़ बैलेंस देख बिगड़ी तबीयत

1100 रुपये विधवा पेंशन निकालने बैंक पहुंची थी महिला

बिहार के नवादा जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। विधवा पेंशन की राशि निकालने के बाद एक महिला के बैंक खाते में अचानक 740 करोड़ रुपये से अधिक की राशि दिखाई देने लगी। इस अप्रत्याशित बैलेंस को देखकर महिला की तबीयत बिगड़ गई, जबकि बैंक कर्मचारी भी सकते में आ गए।

नवादा शहर के वार्ड नंबर-28 स्थित नीम टोला की रहने वाली रेखा देवी के साथ यह अजीबो-गरीब घटना घटी है। रेखा देवी, जो स्वर्गीय उदय नारायण पांडे की पत्नी हैं, बिहार पेंशन दिवस के अवसर पर अपने बैंक खाते से ₹1,100 की विधवा पेंशन राशि निकालने बैंक पहुंची थीं।

राशि निकासी के बाद उन्होंने बैंक कर्मियों से अपने खाते में शेष राशि की जानकारी मांगी। जब बैंक कर्मचारी ने उनके खाते का बैलेंस चेक किया, तो स्क्रीन पर ₹740 करोड़ 68 लाख 72 हजार 895 रुपये की राशि दिखाई दी। यह देखकर पहले तो खुद महिला हैरान रह गई, वहीं बैंक कर्मियों को भी अपनी आंखों पर भरोसा नहीं हुआ। वहीं बैलेंस देखकर महिला की तबीयत बिगड़ गई। कर्मचारियों ने कई बार चेक किया बैलेंस:



“मैं हार्ट की मरीज हूँ, मैंने जीवन में कभी इतनी बड़ी रकम नहीं देखी। खाते में इतना पैसा देखकर मेरी तबीयत बिगड़ गई। मुझे डर लगने लगा कि कहीं इस वजह से मुझे किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।” - रेखा देवी

मामले की पुष्टि के लिए बैंक कर्मचारियों ने दोबारा और फिर कई बार खाते की जांच की, लेकिन हर बार स्क्रीन पर वही भारी-भरकम राशि दिखाई देती रही। इस बीच बैंक में मौजूद अन्य लोगों को भी इसकी जानकारी मिल गई और देखते ही देखते यह खबर पूरे इलाके में फैल गई। बैंक में उमड़ी भीड़: कुछ ही देर में बैंक परिसर के बाहर लोगों की भीड़ जुटने लगी। कोई इसे बैंकिंग सिस्टम की तकनीकी गड़बड़ी बता रहा था, तो कोई इस असामान्य बैलेंस को

लेकर तरह-तरह की चर्चाएं करने लगा। कई लोग इसे चमत्कार तक कहने लगे, हालांकि बैंक कर्मियों ने इसे गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी।

टेक्निकल गड़बड़ी का मामला: बताया जा रहा है कि महिला की तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें संभाला और घर ले गए। फिलहाल उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। उधर, बैंक प्रबंधन ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर इसे तकनीकी त्रुटि (टेक्निकल

गड़बड़ी) माना जा रहा है। बैंक अधिकारियों का कहना है कि सिस्टम में आई किसी गलती के कारण खाते में गलत बैलेंस दिखा है, जिसे जल्द ही सुधार लिया जाएगा। फिलहाल जांच जारी: बैंक द्वारा खाते की विस्तृत जांच की जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि आखिर इतनी बड़ी राशि खाते में कैसे प्रदर्शित हुई। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही वास्तविक स्थिति सामने आ जाएगी और ग्राहक को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी।



सहकार से समृद्धि
आत्मनिर्भर भारत, आत्मनिर्भर कृषि



इफको नैनो यूरिया प्लस और इफको नैनो डी.ए.पी. का बादा

लागत कम और लाभ ज्यादा

FCO अधिसूचित दुनिया का पहला नैनो उर्वरक

500 मिली
बोतल मात्र
₹ 225/- में

500 मिली
बोतल मात्र
₹ 600/- में

**इफको
नैनो
यूरिया
प्लस
(तरल)**



**इफको
नैनो
डी.ए.पी.
(तरल)**

इंडियन फार्मर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड, राँची (झारखण्ड)

राज्य विपणन कार्यालय: एम1 (डी/एस) हरमू हाउसिंग कॉलोनी, राँची-834002

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : 1800 103 1967; वेबसाइट : www.nanourea.in / www.nanodap.in



राज्य में होगी बड़े पैमाने पर नियुक्तियां

हेमंत सोरेन के निर्देश पर हरकत में कई विभाग

राज्य में आनेवाले समय में सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों को भरा जाएगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर सभी विभागों के खाली पड़े पदों को भरने की तैयारी शुरू कर दी गई है. जानकारी के मुताबिक राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में कुल 3, 51,968 नियमित पद स्वीकृत हैं इनमें से केवल 1,87,610 पदों पर ही कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं शेष पद खाली पड़े हैं.

इन खाली पदों में सबसे ज्यादा शिक्षा, स्वास्थ्य और गृह विभाग में पद खाली हैं. ऐसे में सरकार ने जेपीएससी और जेएसएससी को पूर्व से विज्ञापित पदों की परीक्षा जल्द लेकर चयन प्रक्रिया पूरी करने को कहा है. इसके अलावा विभिन्न विभागों से प्राप्त रिक्तियों के आधार पर अध्याचना भेजी जाएगी. जिन पदों पर नियुक्ति आने वाले समय में की जाएगी उसमें सरकारी स्कूलों में सहायक शिक्षक, स्वास्थ्य विभाग में चिकित्सक से लेकर मेडिकल स्टाफ, पुल-पुलिया निर्माण के लिए अभियंता से लेकर कर्मचारी शामिल हैं. यदि सबकुछ ठीक रहा तो स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर

वह स्वास्थ्य विभाग हो या शिक्षा विभाग या गृह विभाग या पुल-पुलिया के निर्माण कार्य के लिए अभियंता की कमी. तमाम खाली पदों को भरने की दिशा में उठाए जाएंगे. उन्होंने कहा कि जेपीएससी और जेएसएससी को भी यह निर्देश दिया गया है कि जो भी अध्याचना भेजी गई है उसपर जल्द से जल्द चयन प्रक्रिया पूरी की जाए. वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार की मंशा है कि जो यह 5 साल का कालखंड है उसमें सरकार के स्वीकृत पदों को अधिक से अधिक भरा जाए, ताकि राज्य के युवाओं को सरकारी नौकरी पाने का अवसर मिल सके.



करीब 25 हजार नई नियुक्तियां की जाएंगी. वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि राज्य गठन के बाद पहली बार जिस सरकार ने मानव संसाधन की कमी को भरने पर फोकस किया है

वो मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार है, जो सरकारी विभागों की रिक्तियों को भरने की दिशा में तीव्रता से काम कर रही है. वर्तमान कार्यकाल में करीब 40,000 से अधिक नियुक्तियां की गई हैं. मंत्री

राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि अभी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का निर्देश प्राप्त हुआ है कि सरकार के विभिन्न विभागों में स्वीकृत पदों के तुलना में जो भी रिक्तियां हैं उसे तीव्रता से भरी जाए चाहे.



‘लाइब्रेरी की भीड़ से तय होता है देश का भविष्य’

बिज़नेस के पीछे की अनकही कहानी

डिजिटल वर्ल्ड ने सब कुछ बदल दिया है, और समय के साथ व्यवहारिक रूप से डिजिटल होना आज की जरूरत बन चुका है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छात्र-छात्राओं को डिजिटल लाइब्रेरी का तोहफा दिया है। शनिवार 11 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने NDMC (एनडीएमसी) द्वारा उद्यान मार्ग पर नवनिर्मित हाई-टेक, डिजिटल एवं अत्याधुनिक लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपीएन) सार्वजनिक लाइब्रेरी का लोकार्पण किया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, एनडीएमसी के अध्यक्ष केशव चंद्र, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि किसी देश का भविष्य कृषि, बाजार या उद्योग से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में जुटने वाली युवाओं की भीड़ से तय होता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को आगे बढ़ाने वाली, राष्ट्र-निर्माण और राष्ट्र को वैभव दिलाने वाली सारी गतिविधियों का मूल ज्ञान एवं विवेक में होता है। यह ज्ञान सिर्फ एक पुस्तकालय ही दे सकता है। उन्होंने युवा पीढ़ी से अपील की कि वे एक बार पुस्तकालय से अवश्य जुड़ें। पढ़ने की आदत बनते ही अच्छे-बुरे का विवेक स्वयं जाग जाएगा।

गृह मंत्री की युवाओं से अपील

गृह मंत्री ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि जिस छोटे से कस्बे में वह पैदा हुए और उनका बचपन बीता, वहां एक समृद्ध पुस्तकालय था। उन्होंने कहा कि उस पुस्तकालय से जुड़ने के कारण उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन आया। उन्होंने

कहा कि ‘अलादिन और जादुई चिराग’, ‘अलीबाबा और चालीस चोर’, ‘सिंदबाद की यात्रा’ जैसी किताबें पढ़ते-पढ़ते कब उनकी अध्ययन यात्रा वेदों और उपनिषदों तक पहुंच गई, उन्हें पता नहीं चला।



राजधानी दिल्ली को मिली हाईटेक लाइब्रेरी

अमित शाह ने कहा कि आज सभागार में उन्होंने एक वाक्य लिखा देखा कि “बोलने से पहले सोचना चाहिए, क्योंकि शब्द कभी वापस नहीं आते” उन्होंने कहा कि कोई भी वाक्य बोलने से पहले सोचना चाहिए और सोचने से पहले पढ़ना चाहिए कि क्या सोचना है, और यह संस्कार सिर्फ पुस्तकालय से ही मिल सकता है। पुस्तकालय का

उनके जीवन में बहुत बड़ा योगदान है, अपने संसदीय क्षेत्र में उन्होंने एक छोटा सा प्रयोग किया है। उनके संसदीय क्षेत्र के लगभग हर गांव में एक पुस्तकालय खोला गया है, जिनमें लगभग 3-4 हजार पुस्तकें हैं, इन पुस्तकालयों को मुख्य पुस्तकालय से लिंक किया गया है, जिसमें सवा लाख पुस्तकें हैं। इसके अलावा, चार मोबाइल वैन भी

चलाई गई हैं। उन्होंने कहा कि गांवों के बच्चे पुस्तकालय में अपनी पसंद की पुस्तक का नाम लिख कर उसे मंगवाने का अनुरोध करते हैं, और हर शुक्रवार के दिन बच्चों को उनकी पसंद की पुस्तक गांव में ही उपलब्ध कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि हमने हर पुस्तकालय को स्कूलों से जोड़ने का प्रयास किया है।



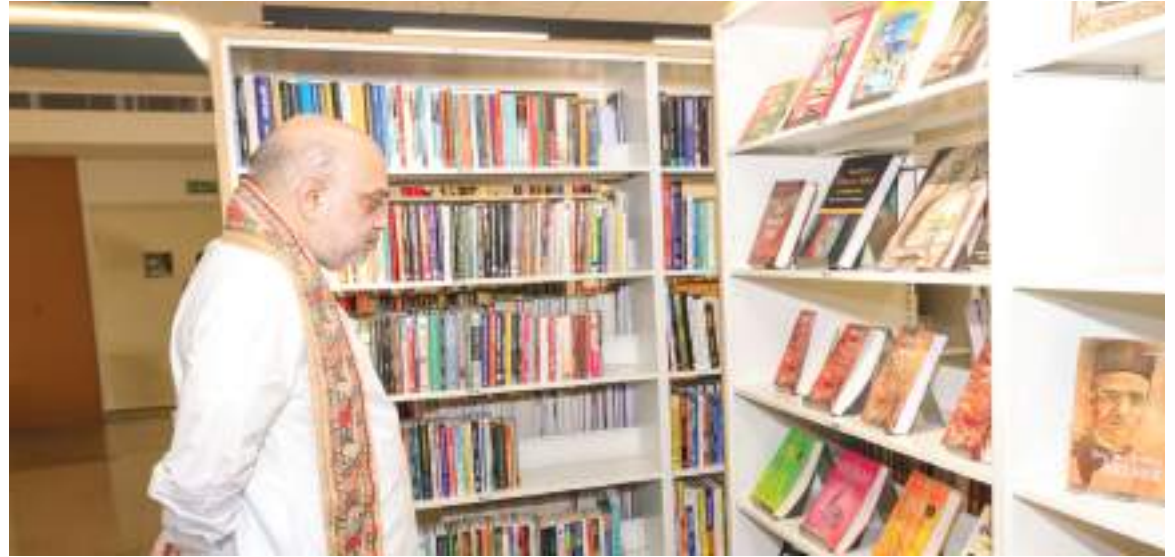
युवाओं के ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र

गृह मंत्री ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम से समर्पित यह पुस्तकालय युवाओं के ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा। उन्होंने दिल्ली सरकार से आग्रह किया कि वह दिल्ली के सभी पुस्तकालयों को आपस में लिंक करें और स्कूलों को इनसे जोड़ने के लिए एक ठोस योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि एक कार्ययोजना बनाकर पुस्तक प्रेमियों को पुस्तकालयों से जोड़ने का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय के कर्मियों से भी आग्रह किया कि वे नई दिल्ली के आसपास के 10 विधानसभा क्षेत्रों के सभी स्कूलों से संपर्क कर युवाओं को पुस्तकालय से जोड़ें और उन्हें यहां आने के लिए प्रेरित करें। एक बार जब युवा पढ़ने की आदत बना लेंगे, तो वह स्वयं आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि साहित्यकार रामधारी सिंह 'दिनकर' को पढ़े बिना इस देश की आत्मा, संस्कृति, स्वाभिमान और संघर्ष को नहीं जाना जा सकता, और पुस्तकालय इसमें सबसे मजबूत जरिया बन सकता है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय भवन में 30,000 से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। यहां रिसर्च करने वालों के लिए अलग व्यवस्था है, बहुउद्देशीय आधुनिक सभागार है, आधुनिक रीडिंग एरिया है, किड्स जोन है, रिसर्च सेंटर है और ई-लाइब्रेरी है, जिसमें 1 करोड़ पुस्तकें ऑनलाइन पढ़ी जा सकती हैं। वाई-फाई फ्री है। कई मॉनिटर लगाए गए हैं, जहां पुस्तकालय में अध्ययन के लिए आने वाले लोग नोट्स ले सकते हैं, डाउनलोड कर सकते हैं और अपनी विचार प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकते हैं।

गृह मंत्री अमित शाह ने जय प्रकाश नारायण को किया याद

अमित शाह ने कहा कि जयप्रकाश नारायण (जेपी) एक ऐसे विचारक और क्रांतिकारी थे, जिन्होंने जीवन में अनेक विचारधाराओं को अपनाया और हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास किया। वे भारत छोड़ो आंदोलन के प्रमुख सेनानी थे, आजादी के बाद उन्होंने सरकार में शामिल

होने से इनकार कर दिया। समाजवाद अपनाया, समाजवादी कांग्रेस बनाई, विनोबा भावे के भूदान आंदोलन और सर्वोदय विचारधारा को गांव-गांव तक फैलाया। चंबल क्षेत्र में 250 से अधिक डाकुओं को सरेंडर कराया और चार राज्यों के 22 जिलों में डकैती की समस्या समाप्त की।



सीएम रेखा गुप्ता ने कहा

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज का दिन दिल्लीवासियों के लिए अत्यंत सौभाग्यपूर्ण है गृह मंत्री अमित शाह के करकमलों द्वारा राजधानी को लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के नाम पर एक आधुनिक और भव्य सार्वजनिक पुस्तकालय की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जयप्रकाश नारायण पुस्तकालय का उद्घाटन दिल्लीवासियों के लिए एक बड़ी सौगात है। उन्होंने कहा कि यह सार्वजनिक पुस्तकालय युवाओं

और विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन सिद्ध होगा। विशेष रूप से संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को यहां अध्ययन के लिए बेहतरीन वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। गृह मंत्री ने दिल्ली के सभी किशोरों और युवाओं से अपील की कि वे ज्ञान की पिपासा तृप्त करने के माध्यम के रूप में शुरू किए गए जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का पूरा लाभ उठाएं।



दिल्ली की लाइफलाइन को नया जीवन देने की कवायद

यमुना डायलॉग्स के जरिए DDA ने शुरू किया मंथन

दिल्ली की जीवनदायिनी और आस्था का प्रतीक यमुना नदी के कायाकल्प के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) ने अब एक महत्वाकांक्षी पहल शुरू की है। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू के विजन के अनुरूप, DDA ने यमुना डायलॉग्स की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य यमुना के फ्लड प्लेन को न केवल प्रदूषण मुक्त बनाना है, बल्कि इसे एक टिकाऊ और जीवंत पारिस्थितिक गलियारे के रूप में विकसित करना है। इस दिशा में पहला कदम उठाते हुए, DDA ने हाल ही में स्टेकहोल्डर कंसल्टेशन वर्कशॉप का आयोजन किया। यह कार्यशाला यमुना के पुनरुद्धार को केवल सरकारी फाइलों तक सीमित न रखकर, इसे दिल्ली के नागरिकों, पर्यावरणविदों और विशेषज्ञों की सामूहिक जिम्मेदारी बनाने की एक कोशिश है। हाल ही में उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने यमुना के डूब क्षेत्रों का दौरा किया था और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कई समीक्षा बैठकें की थीं। इन बैठकों में उन्होंने स्पष्ट किया था कि यमुना की सफाई और जीर्णोद्धार के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। उपराज्यपाल का मानना है कि नदी के किनारे केवल निर्माण नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसी योजनाएं बननी चाहिए जो वहां के पारिस्थितिकी तंत्र के साथ तालमेल बिठा सकें। उन्होंने जोर दिया कि चूंकि ये क्षेत्र सार्वजनिक उपयोग के लिए खुले हैं, इसलिए इनके रखरखाव में जनभागीदारी और ग्लोबल बेस्ट प्रैक्टिसेज का समावेश अनिवार्य है।

आने वाले हफ्तों में और तेज होगी प्रक्रिया

आने वाले हफ्तों में नेचर-बेस्ड सॉल्यूशंस, जल गुणवत्ता, ड्रेनेज, फाइनेंसिंग मॉडल और 'गवर्नेंस' जैसे विषयों पर और अधिक वर्कशॉप आयोजित की जाएंगी। DDA का

स्पष्ट संदेश है कि यमुना का भविष्य विज्ञान-आधारित दृष्टिकोण और दिल्लीवासियों की आकांक्षाओं के तालमेल पर टिका होगा।



कवायद का मुख्य लक्ष्य 'दिल्ली यमुना कॉम्पैक्ट' तैयार करना है

'दिल्ली यमुना कॉम्पैक्ट' बनेगा रोडमैप 'यमुना डायलॉग्स' का उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाना है। इस पहल के माध्यम से प्रकृति-आधारित समाधानों, पारिस्थितिक बुनियादी ढांचे के लिए नवीन वित्तपोषण और जलवायु लचीलेपन पर चर्चा की जाएगी। इस पूरी कवायद का मुख्य लक्ष्य 'दिल्ली यमुना

कॉम्पैक्ट' तैयार करना है। यह एक विस्तृत रोडमैप होगा, जिसमें प्राथमिकताएं, कार्यान्वयन की रणनीतियां और समय-सीमा तय की जाएगी। इसके लिए दो बड़े संवाद सत्र सितंबर 2026 और जनवरी 2027 में आयोजित किए जाएंगे। दो प्रमुख विषयों पर मंथन आयोजित पहली कार्यशाला में विशेषज्ञों, शहरी नियोजकों और नीति निर्माताओं ने दो

मुख्य विषयों बाढ़ के अनुकूल योजना और घाट विकास पर गहन चर्चा की। विशेषज्ञों का मानना है कि बुनियादी ढांचा ऐसा होना चाहिए जो नदी के प्राकृतिक चक्र में बाधा न डाले। साथ ही, घाटों के ऐसे स्वरूप विकसित करने पर विचार किया जा रहा है जो पारिस्थितिक, सांस्कृतिक, मनोरंजक और धार्मिक जरूरतों को एक साथ पूरा कर सकें।



आज लाड़ली बहनों के खातों में गिर्यें 1500 रुपए

अगस्त में बढ़ेगी राशी, राखी पर स्पेशल बोनस

मध्य प्रदेश की सवा करोड़ लाड़ली बहनों को प्रदेश सरकार बड़ी सौगात देने जा रही है। अगस्त माह में बहनों का विशेष पर्व रक्षा बंधन आने वाला है। रक्षाबंधन पर प्रदेश सरकार लाड़ली बहनों को एक बार फिर शगुन की राशि देने का विचार कर रही है। लाड़ली बहनों को शगुन की राशि के रूप में 250 रुपए की राशि अतिरिक्त दी जा सकती है। उधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज लाड़ली बहना योजना की 38 वीं किस्त जारी करने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जिला भिंड के लहार में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 15 हजार से ज्यादा बहनों के खातों में सिंगल क्लिक के जरिए 1835 करोड़ से ज्यादा की राशि ट्रांसफर करेंगे। मध्य प्रदेश सरकार की सबसे लोकप्रिय योजना के तहत लाभार्थी महिलाओं के खातों में शुरुआत से लेकर अभी तक 37 किस्तों में पैसा भेजा जा चुका है। अब 38वीं किस्त के रूप में महिलाओं के खातों में एक बार फिर 1500 रुपए की राशि भेजी जा रही है। राज्य सरकार द्वारा नवंबर 2025 से इस योजना में महिलाओं को मिलने वाली राशि में 250 रुपए की बढ़ोत्तरी की जा चुकी है। इसके बढ़ोत्तरी के बाद यह राशि 1250 रुपए मासिक से बढ़कर 1500 रुपए हो गई है। कार्यक्रम में लाड़ली बहनों के अकाउंट में पैसा ट्रांसफर करने के अलावा 238.96 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हो चुके विकास कार्यों का भी लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा 83.33 करोड़ की लागत से तैयार 16 नई परियोजनाओं का भी भूमि पूजन किया जाएगा।

योजना में नए हितग्राहियों के नहीं जुड़ेंगे नाम

इस योजना के तहत प्रदेश की सवा करोड़ महिलाओं को सीधा लाभ मिल रहा है। इस योजना के शुरू होने के बाद से अब कई और महिलाएं इस योजना के लिए पात्र हुई हैं, लेकिन फिलहाल सरकार

नए हितग्राहियों को जोड़ने को तैयार नहीं है। पिछले विधानसभा सत्र में इसको लेकर पूछे गए कई सवाल के लिखित जवाब में सरकार नए हितग्राहियों को जोड़ने से फिलहाल इंकार कर चुकी है।



रक्षाबंधन पर बहनों को मिल सकता है शगुन

उधर, अगस्त माह में लाड़ली बहना योजना की 39 वीं किस्त जारी की जाएगी। अगस्त माह में बहनों का विशेष त्योहार रक्षाबंधन भी है। इस त्योहार पर लाड़ली बहनों के खातों में शगुन की राशि के रूप में अतिरिक्त पैसा डाला जा सकता है। बताया जा रहा है कि राज्य सरकार इसकी तैयारी कर रही है। शगुन के रूप में 250 रुपए की राशि अलग से दी

जा सकती है। आमतौर पर लाड़ली बहना योजना की राशि 1 से 15 तारीख के बीच डाली जाती है। इस बार रक्षा बंधन का त्योहार 28 अगस्त को है, इसलिए माना जा रहा है कि राशि की राशि अलग से जारी की जाएगी। साल 2025 में रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को 250 रुपए की राशि राशि के रूप में दी गई थी। साल 2023 में शुरू हुई लाड़ली बहनों

योजना के तहत जून 2026 तक 37 मासिक किस्तों की राशि जारी की जा चुकी है। जून 2023 से अभी तक महिलाओं के खातों में 59596 करोड़ से ज्यादा की राशि डाली जा चुकी है। योजना के शुरुआत में इस योजना की पात्र महिलाओं को सिर्फ 1 हजार रुपए की राशि दी जाती थी, जिसे अक्टूबर 2023 में बढ़ाकर 1250 रुपए किया गया था।



सोयाबीन का संकट

किसान, बाजार और खाद्य तेल की चुनौती

जून के आखिरी सप्ताह में मध्य भारत के सोयाबीन उत्पादक इलाकों में किसान की नजर आसमान पर थी। सवाल केवल यह नहीं था कि बारिश कब आएगी और बुवाई कब शुरू होगी। आगे कई और चिंताएं थीं - इनपुट पर लगी लागत क्या वापस आएगी? फसल अच्छी हुई तो मंडी में भाव क्या मिलेगा? और बढ़े हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी MSP का वास्तविक लाभ किसान तक कितना पहुंचेगा?

इन सवालों के पीछे सोयाबीन की एक जटिल अर्थव्यवस्था खड़ी है। एक समय इस फसल ने मध्य भारत की खेती का अर्थशास्त्र बदल दिया था। कम अवधि, नकदी बाजार, खाद्य तेल उद्योग की मांग और सोयामील के निर्यात की संभावनाओं ने इसे मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के बड़े हिस्से में खरीफ की प्रमुख फसल बना दिया।

लेकिन अब तस्वीर चुनौतीपूर्ण है। मौसम की अनिश्चितता बढ़ी है, उत्पादन लागत ऊपर गई है, उत्पादकता में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ और घरेलू बाजार पर आयातित खाद्य तेलों का दबाव है। यहीं एक बड़ा विरोधाभास दिखाई देता है - भारत बड़े पैमाने पर सोयाबीन पैदा करता है, फिर भी खाद्य तेलों के लिए आयात पर भारी निर्भर है।

मौसम से शुरू होती बाजार की कहानी

सोयाबीन का बाजार भले वैश्विक हो, लेकिन उसकी पहली कहानी खेत और मानसून के साथ लिखी जाती है। भारत में इसकी खेती मुख्यतः वर्षा आधारित क्षेत्रों में होती है। इसलिए मानसून का आगमन, बुवाई के समय मिट्टी में पर्याप्त नमी और बाद के महीनों में वर्षा का वितरण फसल की दिशा तय करते हैं। जून 2026 में कमजोर मानसून के कारण खरीफ बुवाई की शुरुआत धीमी रही। 25 जून तक उपलब्ध सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश में कुल खरीफ बुवाई पिछले वर्ष की समान अवधि से करीब 23 प्रतिशत पीछे थी। शुरुआती आंकड़ों में सोयाबीन का रकबा भी काफी पिछड़ा

दिखाई दिया। हालांकि शुरुआती बुवाई के आंकड़ों को अंतिम उत्पादन की तस्वीर मानना जल्दबाजी होगी। मानसून की प्रगति के साथ रकबा तेजी से बदल सकता है। फिर भी बुवाई में देरी जोखिम का संकेत है। देर से बुवाई का असर पौधे की वृद्धि अवधि, फूल आने के समय और महत्वपूर्ण चरणों में नमी की उपलब्धता पर पड़ सकता है। दूसरी ओर, बहुत अधिक बारिश और जलभराव भी नुकसान पहुंचा सकता है। यानी चुनौती केवल कितनी बारिश हुई की नहीं, बल्कि बारिश कब हुई और उसका वितरण कैसा रहा - यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

एक दाना, दो बड़े बाजार

सोयाबीन की अर्थव्यवस्था दो आपस में जुड़े बाजारों पर टिकी है। क्रशिंग के बाद इससे खाद्य तेल और प्रोटीन से भरपूर सोयामील मिलता है, जिसका इस्तेमाल पोल्ट्री और पशु आहार उद्योग में होता है और एक हिस्सा निर्यात किया जाता है। यही वजह है कि सोयाबीन का भाव केवल खाद्य तेल की कीमत से तय नहीं होता। तेल का बाजार मजबूत हो लेकिन सोयामील की मांग कमजोर हो, तो तेल मूल्यों का क्रशिंग मार्जिन प्रभावित हो सकता है। घरेलू सोयाबीन महंगा होने पर भारतीय सोयामील की निर्यात प्रतिस्पर्धा कमजोर पड़ सकती है। वहीं सस्ता आयातित खाद्य तेल घरेलू बाजार पर दबाव बना सकता है। इसलिए किसान की फसल का भाव केवल स्थानीय मंडी की मांग और आपूर्ति का नतीजा नहीं है। उसके बाजार का एक सिरा मध्य प्रदेश या महाराष्ट्र की मंडी में है, तो

दूसरा वैश्विक सोयाबीन और पाम तेल बाजार से जुड़ा है। 2026 में इसी जटिलता का एक असामान्य संकेत दिखाई दिया। ऊंची घरेलू कीमतों और प्रतिकूल क्रशिंग समीकरण के बीच कुछ भारतीय कारोबारियों ने सोयामील निर्यात सौदे रद्द किए, जबकि उद्योग के कुछ खरीदारों ने अफ्रीकी देशों से गैर-जीएम सोयाबीन की खरीद के विकल्प तलाशे। यह एक बुनियादी सवाल खड़ा करता है - जिस देश में बड़े पैमाने पर सोयाबीन पैदा होता है, वहां उद्योग को आयात के विकल्प क्यों तलाशने पड़ रहे हैं? इसका उत्तर केवल उत्पादन की मात्रा में नहीं है। घरेलू कीमत, गुणवत्ता, उपलब्धता, क्रशिंग मार्जिन और अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा - सभी बाजार की दिशा तय करते हैं। यानी उत्पादन बढ़ाने के साथ उसे गुणवत्तापूर्ण और प्रतिस्पर्धी बनाना भी जरूरी है।

आयात निर्भरता का विरोधाभास भारत प्रमुख तिलहन उत्पादक

देशों में शामिल है, फिर भी घरेलू खाद्य तेल की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा होता है। यह भारतीय तिलहन अर्थव्यवस्था की बड़ी संरचनात्मक चुनौतियों में से एक है।

पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी तेल के बड़े आयात के कारण अंतरराष्ट्रीय कीमतों, रुपये की विनिमय दर, आयात शुल्क और वैश्विक आपूर्ति में बदलाव का असर भारतीय बाजार तक पहुंचता है। मई 2026 में भारत का खाद्य तेल आयात सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत बढ़कर लगभग 13.39 लाख टन पहुंच गया। इस वृद्धि में कच्चे सोयाबीन तेल की अधिक आवक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयात बढ़ने और किसान को मिलने वाले भाव के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है। घरेलू उपलब्धता, वैश्विक कीमतें, रुपये की स्थिति, स्टॉक और उपभोक्ता मांग—सभी बाजार को प्रभावित करते हैं। फिर भी बड़े पैमाने पर आयात घरेलू तिलहन बाजार पर मूल्य-प्रतिस्पर्धा का दबाव बनाता है।

इसलिए खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता का सवाल केवल विदेशी मुद्रा बचाने का नहीं है। इसका सीधा संबंध तिलहन किसान की आय, घरेलू प्रसंस्करण उद्योग और कृषि बाजार की स्थिरता से भी है।



MSP बढ़ा, पर असली परीक्षा मंडी में

2026-27 विपणन सत्र के लिए पीले सोयाबीन का MSP ₹5,708 प्रति क्विंटल तय किया गया है। पिछले सत्र में यह ₹5,328 था। यानी ₹380 प्रति क्विंटल की वृद्धि। कागज पर यह किसान के लिए राहत का संकेत है, लेकिन असली सवाल घोषणा के बाद शुरू होता है - क्या मंडी में किसान को यह भाव मिलेगा? धान और गेहूं की तरह सोयाबीन की सरकारी खरीद देशभर में व्यापक नहीं है। जब उत्पादन अधिक होता है और बाजार भाव कमजोर पड़ता है, तब खरीद केंद्रों की उपलब्धता, समय-सीमा, गुणवत्ता मानक और भुगतान की गति निर्णायक हो जाते हैं। किसान का अर्थशास्त्र केवल प्रति क्विंटल कीमत से तय नहीं होता। बीज, खरपतवार नियंत्रण, कीट-रोग प्रबंधन, मजदूरी और कटाई की लागत के बीच वास्तविक लाभ इस बात पर निर्भर करता है कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन कितना हुआ और बिक्री के समय कितना भाव मिला। किसान के लिए MSP की असली परीक्षा घोषणा में नहीं, मंडी में होती है।

नीति की कठिन रस्साकशी

खाद्य तेल नीति के सामने तीन जरूरतों को एक साथ साधने की चुनौती है—उपभोक्ता को उचित कीमत पर खाद्य तेल, किसान को फसल का लाभकारी मूल्य और उद्योग को प्रतिस्पर्धी कीमत पर पर्याप्त कच्चा माल। सस्ता आयात उपभोक्ता कीमतों को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है, लेकिन लंबे समय तक अत्यधिक आयात निर्भरता घरेलू तिलहन उत्पादन के लिए प्रतिकूल हो सकती है। दूसरी ओर, घरेलू कीमतों में तेज वृद्धि खाद्य महंगाई का दबाव बढ़ा सकती है। इसलिए नीति को केवल आयात शुल्क घटाने या बढ़ाने की तात्कालिक प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रखा जा सकता। दीर्घकालिक समाधान उत्पादकता बढ़ाने, किसान को बाजार सुरक्षा देने, कटाई के बाद की सुविधाएं मजबूत करने और घरेलू प्रसंस्करण उद्योग को प्रतिस्पर्धी बनाने में है।



रकबे से आगे की लड़ाई

भारत में तिलहन उत्पादन बढ़ाने की चर्चा अक्सर खेती का क्षेत्र बढ़ाने से शुरू होती है। लेकिन सोयाबीन के लिए भविष्य की बड़ी लड़ाई अधिक हेक्टेयर में बुवाई की नहीं, बल्कि प्रति हेक्टेयर अधिक और स्थिर उत्पादन की है। इसके लिए गुणवत्तापूर्ण बीज की समय पर उपलब्धता, क्षेत्र के अनुरूप किस्में, बेहतर जल निकास, संतुलित पोषण, खरपतवार नियंत्रण और मौसम आधारित कृषि सलाह जरूरी हैं। बदलते मौसम में ऐसी किस्मों और कृषि पद्धतियों की जरूरत बढ़ेगी, जो सूखे के साथ अत्यधिक वर्षा और जलभराव में भी नुकसान सीमित कर सकें। चुनौती कटाई के बाद भी

खत्म नहीं होती। अधिक नमी, अशुद्धियां और खराब भंडारण उपज की गुणवत्ता और भाव को प्रभावित करते हैं। स्थानीय स्तर पर सुखाने, सफाई, ग्रेडिंग और वैज्ञानिक भंडारण की सुविधाएं किसान को कटाई के तुरंत बाद कम कीमत पर फसल बेचने के दबाव से बचा सकती हैं। किसान उत्पादक संगठन यानी FPO इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सामूहिक भंडारण, ग्रेडिंग और बाजार से बेहतर जुड़ाव छोटे किसानों की सौदेबाजी क्षमता बढ़ा सकता है। चुनौती खेत में उत्पादन बढ़ाने के साथ पूरी मूल्य-श्रृंखला को अधिक कुशल बनाने की भी है।

खेत में शुरुआत, बाजार में फैसला

2026 का खरीफ सीजन अभी शुरुआती दौर में है। जून की धीमी बुवाई अंतिम उत्पादन का फैसला नहीं करती। मानसून की आगे की चाल, जुलाई-अगस्त की वर्षा, कीट-रोग और उत्पादकता मिलकर वास्तविक तस्वीर बनाएंगे।

लेकिन बड़ा सवाल इस एक सीजन से आगे का है। यदि भारत खाद्य तेलों की आयात निर्भरता घटाना चाहता है, तो किसान के लिए सोयाबीन को लाभकारी और पूरी मूल्य-श्रृंखला को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना होगा।

भारत के लिए सोयाबीन केवल एक खरीफ फसल नहीं है। इसके एक सिरे पर

मध्य भारत का किसान है और दूसरे पर देश की खाद्य तेल सुरक्षा। इनके बीच मंडी, तेल मिल, पशु आहार उद्योग, आयात और वैश्विक बाजार की लंबी श्रृंखला है। सोयाबीन की सफलता की असली कसौटी बढ़ा हुआ रकबा नहीं, बल्कि यह होगी कि एक क्विंटल उपज किसान को कितना लाभ देती है और देश की खाद्य तेल आयात निर्भरता कम करने में कितना योगदान करती है। सोयाबीन का अगला अध्याय खेत में जरूर लिखा जाएगा, लेकिन उसका परिणाम बाजार और नीति—दोनों तय करेंगे।



पूर्वोत्तर में 'श्री अन्न' की वापसी

जलवायु संकट के बीच खेती और पोषण का नया सहारा

बासर (अरुणाचल प्रदेश) | कृषि भूमि संवाददाता

भारत विश्व का प्रमुख मिलेट उत्पादक देश है

जलवायु परिवर्तन ने भारतीय कृषि के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। अनियमित वर्षा, सीमित जल संसाधन, बढ़ती उत्पादन लागत और पोषण संबंधी चिंताओं के बीच अब वही फसलें फिर से केंद्र में हैं, जिन्हें कभी 'गरीबों का अनाज' कहकर नजरअंदाज किया जाता था। आज ये मोटे अनाज या 'श्री अन्न' न केवल स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ के रूप में लोकप्रिय हो रहे हैं, बल्कि टिकाऊ खेती और किसानों की आय बढ़ाने के प्रभावी विकल्प के रूप में भी उभर रहे हैं। इस बदलाव का सबसे बड़ा लाभार्थी पूर्वोत्तर भारत बन सकता है, जहां मिलेट्स सदियों से स्थानीय कृषि और जनजातीय जीवन का अभिन्न हिस्सा रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किए जाने और भारत सरकार द्वारा 'श्री अन्न' को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा दिए जाने के बाद इन पारंपरिक फसलों को नई पहचान मिली है। ऐसे समय में पूर्वोत्तर भारत, विशेषकर अरुणाचल प्रदेश के पर्वतीय और वर्षा आधारित कृषि क्षेत्रों के लिए मिलेट्स भविष्य की टिकाऊ खेती का मजबूत विकल्प बनकर उभर रहे हैं।

आईसीएआर-आरसी फॉर एनईएच रीजन, अरुणाचल प्रदेश केंद्र, बासर के वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिक (शस्य विज्ञान) डॉ. संजय कुमार पाण्डेय कहते हैं कि भारत विश्व का प्रमुख मिलेट उत्पादक देश है और पूर्वोत्तर भारत में इनकी खेती कोई नई अवधारणा नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चली आ रही कृषि परंपरा का हिस्सा है। उनका मानना है कि वैज्ञानिक तकनीकों और बेहतर बाजार व्यवस्था के साथ यह पारंपरिक खेती किसानों की आर्थिक स्थिति बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।



पोषण का पावरहाउस

डॉ. पाण्डेय के अनुसार रागी (फिंगर मिलेट) को आज 'न्यूट्री-सीरियल' और 'सुपर फूड' के रूप में वैश्विक पहचान मिल चुकी है। इसमें कैल्शियम, आयरन, जिंक, प्रोटीन और आहार फाइबर प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होने के कारण इसे मधुमेह रोगियों के लिए उपयोगी माना जाता है, जबकि ग्लूटेन-मुक्त होने से यह स्वास्थ्य के प्रति सजग उपभोक्ताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। रागी के अलावा बाजरा, ज्वार, कोदो, सांवा और कांगनी जैसे अन्य मिलेट्स भी सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर हैं। यही कारण है कि पोषण विशेषज्ञ इन्हें कुपोषण और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से निपटने में महत्वपूर्ण मानते हैं।

कम संसाधनों में टिकाऊ खेती

जलवायु परिवर्तन के दौर में मिलेट्स की सबसे बड़ी ताकत उनकी अनुकूलन क्षमता है। डॉ. पाण्डेय बताते हैं कि ये फसलें कम पानी, कम उर्वरक और सीमांत भूमि में भी सफलतापूर्वक उगाई जा सकती हैं। सूखा और मौसम की अनिश्चितता जैसी परिस्थितियों के प्रति इनकी सहनशीलता इन्हें वर्षा आधारित और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बनाती है। उनके अनुसार यदि चावल आधारित कृषि प्रणालियों में मिलेट्स को शामिल किया जाए तो फसल विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा, मिट्टी की उर्वरता बेहतर होगी, उत्पादन जोखिम घटेगा और पोषणीय सुरक्षा भी मजबूत होगी।

किसानों के लिए बढ़ते अवसर

विशेषज्ञों का मानना है कि मिलेट आधारित मूल्य संवर्धित उत्पादों की बढ़ती मांग किसानों के लिए आय के नए रास्ते खोल रही है। रागी और बाजरे का आटा, बिस्किट, कुकीज, नाश्ते के उत्पाद तथा रेडी-टू-ईट खाद्य पदार्थों का बाजार लगातार विस्तार कर रहा है। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता ने शहरी उपभोक्ताओं के बीच भी मिलेट उत्पादों की मांग बढ़ाई है, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। यदि स्थानीय स्तर पर प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन की सुविधाएं विकसित की जाएं, तो पूर्वोत्तर भारत के किसानों को केवल उत्पादन ही नहीं, बल्कि मूल्य संवर्धन से भी अतिरिक्त आय प्राप्त हो सकती है।



वैज्ञानिक खेती से बढ़ेगा उत्पादन

डॉ. पाण्डेय के अनुसार पूर्वोत्तर भारत में मिलेट उत्पादन बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक खेती तकनीकों को तेजी से अपनाने की जरूरत है। वे वीएल मांडुआ-376, वीएल मांडुआ-380, जीपीयू-28 और जीपीयू-48 जैसी उन्नत किस्मों के उपयोग की सलाह देते हैं। उनका कहना है कि गुणवत्तायुक्त बीज, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, एकीकृत कीट एवं रोग प्रबंधन, किसानों का नियमित क्षमता निर्माण तथा खेतों को जंगली जानवरों से सुरक्षित रखने के प्रभावी उपाय उत्पादन बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आगे की राह

कभी उपेक्षित माने जाने वाले मोटे अनाज आज भारतीय कृषि की नई ताकत बनकर लौट रहे हैं। पूर्वोत्तर भारत के लिए यह केवल एक फसल का पुनरुत्थान नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने और पोषणीय सुरक्षा सुनिश्चित करने का अवसर भी है। यदि वैज्ञानिक तकनीक, स्थानीय परंपराओं, बाजार और सरकारी समर्थन के बीच प्रभावी तालमेल स्थापित हो सके, तो 'श्री अन्न' आने वाले वर्षों में पूर्वोत्तर भारत की कृषि विकास यात्रा का सबसे मजबूत आधार साबित हो सकता है।



यों खास है 'श्री अन्न'?

- कम पानी और सीमित संसाधनों में भी सफल उत्पादन।
- सूखा और जलवायु परिवर्तन के प्रति अधिक सहनशील।
- कैल्शियम, आयरन, जिंक, प्रोटीन और आहार फाइबर से भरपूर।
- कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स और अधिकांश मिलेट्स प्राकृतिक रूप से ग्लूटेन-मुक्त।
- वर्षा आधारित और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त फसल।
- मूल्य संवर्धित उत्पादों के जरिए किसानों की आय बढ़ाने की क्षमता।
- पोषणीय सुरक्षा, फसल विविधीकरण और कृषि जैव-विविधता को बढ़ावा।

पारंपरिक विरासत भी, भविष्य की खेती भी

संरक्षण भविष्य की जलवायु-अनुकूल खेती के लिए बहुमूल्य आनुवंशिक संसाधन उपलब्ध कराता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक कृषि विज्ञान, बेहतर बाजार और प्रभावी सरकारी नीतियों का समर्थन मिले, तो पूर्वोत्तर भारत देश में मिलेट उत्पादन और मूल्य संवर्धन का अग्रणी क्षेत्र बन सकता है।



प.बंगाल: लापता मछली पकड़ने वाली नाव काकद्दीप से मिली, 9 शव बरामद, 6 लापता

हिल्सा मछली पकड़ने के लिए गहरे समुद्र में गए 15 मछुआरों के लापता होने के दस दिन बाद, पश्चिम बंगाल के काकद्दीप के पास लापता नाव (ट्रॉलर) 'जय माँ काली' का पता लगा लिया गया. नाव पानी में डूबी हुई हालत में मिली. खोज और बचाव अभियान युद्ध स्तर पर चल रहा है. ट्रॉलर के अंदर से नौ शव बरामद किए गए हैं. बाकी 6 लापता मछुआरों का अभी भी पता नहीं है.

15 मछुआरे 2 जुलाई को पश्चिम बंगाल के शंकरपुर बीच से गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए निकले थे, जिसके बाद वे लापता हो गए थे. काफी खोजबीन के बाद भी अब तक 6 लापता मछुआरों का कोई पता नहीं चला है. लापता मछुआरों में ओडिशा के बालासोर जिले के भोगराई ब्लॉक के उलुडा गांव के तीन लोग शामिल हैं. एक ही परिवार के तीन भाई - जयराम माझी, रवींद्र माझी और जगन्नाथ माझी - लापता लोगों में शामिल हैं. वे 2 जुलाई को पश्चिम बंगाल के शंकरपुर बीच से दूसरे मछुआरों के साथ ट्रॉलर में गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के लिए निकले थे. 5 जुलाई के बाद ट्रॉलर से सारा कम्युनिकेशन टूट गया. इसके बाद से परिवारों में चिंता बढ़ने लगी. पत्नियां,

बच्चे, माता-पिता और रिश्तेदार हर दिन पोर्ट पर आते थे, अपने प्रियजनों के लौटने का इंतजार करते थे. जैसे-जैसे दिन बीतते गए, चिंता और बढ़ती गई. समुद्र में बचाव

भट्टाचार्य की लीडरशिप में बचाव अभियान तेज कर दिया गया. रामगंगा रेंज के जंगल के कर्मचारियों, सुंदरबन पुलिस और स्थानीय मछुआरों की मदद से, पलटे हुए

की मदद से गोबरधनपुर, पाथरप्रतिमा में सीतारामपुर घाट ले जाया गया. शाम ढलने के बाद घाट पर पहुंचते ही जहाज के अंदर की तलाशी शुरू कर दी गई. रात होने



प्रशासन को डर है कि ट्रॉलर के अंदर या दुर्घटनास्थल के आस-पास अभी और शवा हो सकते हैं. इसलिए, जहाज के हर हिस्से की अच्छी तरह से जाँच की जा रही है. इस बीच, छह लापता मछुआरों को ढूँढ़ने के लिए कोस्ट गार्ड, फ़ॉरेस्ट डिपार्टमेंट और सुंदरबन पुलिस का एक जॉइंट सर्च ऑपरेशन चल रहा है.

अभियान अभी भी जारी है. अधिकारी और स्थानीय प्रशासन दूसरे लापता मछुआरों का पता लगाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं. शनिवार से, सुंदरबन टाइगर रिजर्व के डिरी फील्ड डायरेक्टर चित्रक

ट्रॉलर को रविवार दोपहर को बाघेरचर इलाके में चुलकठी जंगल के पास ढूँढ़ लिया गया जो दक्षिण 24 परगना में बकखाली के तट से लगभग 35 किलोमीटर दूर है. इसके बाद खराब ट्रॉलर को दूसरे ट्रॉलर

तक, इंजन के पास फंसे एक मछुआरे की लाश बरामद की गई. बाद में जब ट्रॉलर के अंदर जमा पानी को बाहर निकालने का काम शुरू हुआ, तो एक के बाद एक और लाशें निकाली गईं.



उफनती नदी के बीच जिंदगी की जंग

खूँटी में प्रसव पीड़ा से तड़पती गर्भवती को ग्रामीणों ने नदी पार कर पहुंचाया अस्पताल, जच्चा-बच्चा सुरक्षित

खूँटी जिले से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने ग्रामीण इलाकों में बुनियादी सुविधाओं की हकीकत को एक बार फिर उजागर कर दिया है। अड़की प्रखंड की तोड़ांग पंचायत के सावमरांगबेड़ा गांव में सड़क और पुल नहीं होने के कारण प्रसव पीड़ा से तड़प रही एक गर्भवती महिला को ग्रामीणों ने कंधे पर बैठाकर उफनती करकरी नदी पार कराया। इसके बाद उसे किसी तरह अड़की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां सुरक्षित प्रसव कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार जच्चा और बच्चा दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। रविवार को सावमरांगबेड़ा गांव की रहने वाली सोमवारी देवी को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। बारिश के कारण करकरी नदी उफान पर थी और गांव का संपर्क मुख्य सड़क से पूरी तरह कट चुका था। एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी। ऐसे में महिला के पति मांगूछाता नाग और गांव के अन्य लोगों ने साहस का परिचय देते हुए सोमवारी देवी को कंधे पर बिठाया और तेज बहाव के बीच पैदल नदी पार कर अस्पताल तक पहुंचाने का जोखिम उठाया। अड़की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचने के बाद प्रभारी चिकित्सक डॉ. निरुपमा लकड़ा की देखरेख में महिला का सुरक्षित प्रसव

कराया गया। अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉ. निपोलियन केरकेट्टा ने बताया कि जच्चा और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं और उनकी स्थिति सामान्य है। डॉक्टरों के अनुसार

से टूट जाता है। बीमार मरीजों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार समय पर इलाज नहीं

आज तक समाधान नहीं निकल पाया। उन्होंने अस्पताल पहुंचकर सोमवारी देवी का हालचाल भी जाना। मुखिया ने बताया कि महिला और उसका नवजात दोनों पूरी



ग्रामीणों ने बताया कि कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से करकरी नदी पर पुल और गांव तक पक्की सड़क बनाने की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। उनका कहना है कि यदि जल्द ही इस दिशा में काम नहीं हुआ तो भविष्य में किसी बड़ी अनहोनी से इनकार नहीं किया जा सकता।

दोनों को शाम तक घर भेजा जा सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि सावमरांगबेड़ा गांव की यह समस्या नई नहीं है। करकरी नदी पर पुल नहीं होने के कारण हर बारिश में गांव का संपर्क बाहरी दुनिया

मिलने से गंभीर स्थिति भी पैदा हो जाती है। तोड़ांग पंचायत के मुखिया मंसाय मुंडा ने बताया कि इस समस्या को लेकर विधायक से लेकर जिला प्रशासन तक कई बार गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन

तब तक करकरी नदी पर पुल और गांव तक सड़क का निर्माण नहीं होता, तब तक ग्रामीणों को हर बरसात में इसी तरह जान जोखिम में डालनी पड़ेगी।



रांची में नाइट मार्केट की राह अब भी अधूरी तैयारी पूरी लेकिन शुरुआत का इंतजार

देश के बड़े शहरों की तरह रांची को भी आधुनिक शहरी पहचान देने की सोच के साथ प्रस्तावित नाइट मार्केट फिलहाल फाइलों में ही अटका हुआ है। नगर निगम ने वर्ष 2025 में इस योजना को अंतिम रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए थे। लेकिन अब तक इसका संचालन शुरू नहीं हो सका है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या राजधानी में देर रात तक संचालित होने वाला संगठित नाइट मार्केट कभी हकीकत बन पाएगा या यह सिर्फ एक महत्वाकांक्षी योजना बनकर रह जाएगा।

नगर निगम की योजना के अनुसार जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम के बाहरी क्षेत्र को नाइट मार्केट के लिए विकसित किया जाना था। इसके लिए निर्धारित स्थान पर विशेष प्लेटफॉर्म तैयार किए गए, ताकि दुकानें एक सीमित दायरे में लगे, जिससे यातायात और अव्यवस्था की समस्या पैदा न हो। उद्देश्य यह था कि लोग शाम से लेकर देर रात तक सुरक्षित माहौल में खरीदारी कर सकें और परिवार के साथ समय बिता सकें। इस परियोजना पर करीब एक करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई गई थी। इसके तहत बेहतर लाइटिंग, बिजली और पेयजल की व्यवस्था, बैठने की सुविधा, बैरिकेडिंग, साफ-सफाई और

अन्य बुनियादी ढांचे को विकसित किया गया। बाजार को व्यवस्थित रूप देने के लिए पूरे क्षेत्र की घेराबंदी भी प्रस्तावित की गई, ताकि संचालन नियंत्रित तरीके से हो सके।

उत्पाद और छोटे उद्यमियों के लिए भी अलग स्थान निर्धारित करने का प्रस्ताव था। इससे स्थानीय वेंडर्स और स्वरोजगार से जुड़े लोगों को नए अवसर मिलने की

खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानदारों के लिए स्वच्छता और गुणवत्ता संबंधी नियमों का पालन अनिवार्य करने की योजना थी। नगर निगम नियमित निगरानी और



जहां लोग शाम के समय मनोरंजन और खरीदारी का आनंद ले सकें। उनका मानना है कि इससे स्थानीय कारोबार को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव तैयार है, विभाग की ओर से दिशा निर्देश मिलते ही यह धरातल पर दिखने लगेगा।

नाइट मार्केट का सबसे बड़ा आकर्षण फूड जोन होना था। जहां स्ट्रीट फूड, फास्ट फूड के साथ झारखंड के पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल लगाने की योजना बनाई गई थी। इसके अलावा स्थानीय हस्तशिल्प, घरेलू

उत्पन्न जताई गई थी। सुरक्षा और स्वच्छता को भी इस योजना का अहम हिस्सा बनाया गया था। पूरे परिसर में पर्याप्त रोशनी, सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती का प्रस्ताव तैयार किया गया। वहीं

सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की तैयारी में था। नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने कहा नाइट मार्केट का उद्देश्य रांचीवासियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और पारिवारिक माहौल उपलब्ध कराना है।



नोएडा डीएम ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

ई-मेल मिलते ही मचा हड़कंप

ग्रेटर नोएडा में सूरजपुर स्थित जिलाधिकारी कार्यालय में आज सोमवार को बम होने की अज्ञात सूचना के बाद हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आया। जानकारी के अनुसार, इस आपातकालीन सूचना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को तुरंत चाक-चौबंद किया गया। मौके पर बम निरोधक दस्ता, डोंग स्क्वाड, दमकल विभाग की गाड़ियां और सूरजपुर पुलिस के आला अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे। बम की सूचना के बाद कलेक्ट्रेट परिसर खाली कराया गया: सुरक्षा के लिहाज से पूरे कलेक्ट्रेट परिसर को खाली करा लिया गया है, और सघन चेकिंग अभियान (सर्च ऑपरेशन) चलाया जा रहा है। कलेक्ट्रेट परिसर में आने-जाने वाले सभी रास्तों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और सघनता से जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पर पूरी नज़र रखी जा रही है और सुरक्षा मानकों के तहत आवश्यक कार्रवाई जारी है।

एडिसीपी सेनट्रल नोएडा का बयान: एडिसीपी सेनट्रल नोएडा स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि आज सोमवार को डीएम कार्यालय में ई-मेल के माध्यम से बॉम्ब थ्रेट की सूचना पर थाना सूरजपुर पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए बॉम्ब डिस्पोजल स्क्वाड, फायर ब्रिगेड, A.S चेक टीम व डोंग स्क्वाड के माध्यम से डीएम कार्यालय में चेकिंग सुनिश्चित की गयी।

लोगों से पुलिस ने की अफवाहों से बचने की अपील: अभी तक कोई प्रतिकूल बात प्रकाश में नहीं आयी है। लगातार सतर्कता बरती जा रही है। पूर्ण गंभीरता के साथ ई-मेल के सम्बन्ध में साइबर टीम द्वारा तकनीकी जांच की जा रही है। स्थिति पूर्णतया सामान्य है, मौके पर पूर्णतः शांति व्यवस्था स्थापित है। संपूर्ण सतर्कता बरतते हुए लोगों से अफवाहों पर ध्यान ना देने की अपील की गई है।



लोगों से पुलिस ने की अफवाहों से बचने की अपील

अभी तक कोई प्रतिकूल बात प्रकाश में नहीं आयी है। लगातार सतर्कता बरती जा रही है। पूर्ण गंभीरता के साथ ई-मेल के सम्बन्ध में साइबर टीम द्वारा तकनीकी जांच की जा रही है। स्थिति

पूर्णतया सामान्य है, मौके पर पूर्णतः शांति व्यवस्था स्थापित है। संपूर्ण सतर्कता बरतते हुए लोगों से अफवाहों पर ध्यान ना देने की अपील की गई है।



राम मंदिर चढ़ावा चोरी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, यूपी सरकार, ट्रस्ट से जवाब मांगा, SIT से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर विवाद अब सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है। अदालत ने मामले की जांच कर रही उत्तर प्रदेश एसआईटी से स्टेटस रिपोर्ट मांगी, और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से भी जवाब मांगा। सुप्रीम कोर्ट के चीफ सूर्यकांत की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच ने मामले की आगे की सुनवाई 20 जुलाई को तय की है। बेंच ने मंदिर का प्रबंधन कर रहे ट्रस्ट के साथ-साथ राज्य सरकार और केंद्र से भी जवाब मांगा। इस बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना भी शामिल थे, जो अयोध्या राम मंदिर चंदा चोरी, हेराफेरी और गड़बड़ी से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से पैरवी की। मेहता ने कहा कि स्टेटस रिपोर्ट एक सीलबंद लिफाफे में दाखिल की जाएगी। उन्होंने राज्य और केंद्र के लिए नोटिस स्वीकार कर लिया।

एक याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि, सीसीटीवी फुटेज और दूसरे रिकॉर्ड को संभालकर रखने की जरूरत है। दूसरे वकील ने आग्रह किया कि राज्य की तरफ से दाखिल की जाने वाली स्टेटस रिपोर्ट की एक कॉपी उन्हें भी दी जाए। हालांकि, बेंच

ने इस चरण पर आग्रह मानने से इनकार कर दिया। बेंच ने कहा, "हम बाद में देखेंगे। यह एक चल रही जांच है" दो पिटीशन, वकील अजय कुमार राय और दिनेश

एसआईटी पर निष्पक्ष, पारदर्शी और बिना भेदभाव के जांच के लिए भरोसा नहीं किया जा सकता। आरजेडी सांसद की दाखिल की गई

सभी दान, जैसे पैसे और कीमती सामान का पूरा ब्योरा कोर्ट के सामने रखे। याचिका में कहा गया है कि यह श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट, अयोध्या यूपी के प्रशासन,



याचिका में सुप्रीम कोर्ट से श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को निर्देश देने की अपील की गई है कि वह अपने बनने के बाद से मिले सभी दान, चढ़ावे और योगदान का पूरा ब्योरा दे। इस ब्योरे में कैश दान, बैंक ट्रांसफर, डिजिटल पेमेंट, विदेशी योगदान, तरह-तरह के दान, सोना, चांदी और दूसरी कीमती चीजें, साथ ही उनके लेखांकन, अभिरक्षा और इस्तेमाल की जानकारी होनी चाहिए।

कुमार यादव और आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह ने वकील सत्यम सिंह राजपूत के जरिए फाइल की, में सीबीआई जांच की मांग की गई है। उन्होंने तर्क दिया कि योगी सरकार, उत्तर प्रदेश पुलिस और राज्य

याचिका में अयोध्या राम मंदिर में कथित दान चोरी की सीबीआई जांच की मांग की गई थी। याचिका में मंदिर ट्रस्ट को यह निर्देश देने की भी मांग की गई कि वह 5 फरवरी, 2020 को बनने के बाद से मिले

लाखों भक्तों के चढ़ावे की सुरक्षा और देश के सबसे प्रतिष्ठित धार्मिक संस्थानों में से एक में लोगों के भरोसे को बनाए रखने से जुड़े बहुत जरूरी सार्वजनिक महत्व के मुद्दे उठाती है।



बिहार की बाढ़ में जिंदा बचेंगे तब न वोट देंगे..

तबाही से पहले का डर, सामान समेटने लगे लोग

उत्तर बिहार में मानसून जितना किसानों के लिए उम्मीद लेकर आता है, उतना ही हजारों परिवारों के लिए डर और जोखिम भी साथ लाता है. नेपाल से निकलने वाली नदियों का जलस्तर बढ़ते ही मुजफ्फरपुर, सुपौल, पूर्वी चंपारण और आसपास के जिलों में बाढ़ और कटाव का खतरा मंडराने लगता है. कई गांवों में लोग बारिश से पहले ही जरूरी सामान समेटने लगते हैं, क्योंकि उन्हें पता होता है कि अगर नदी का पानी बढ़ा तो कुछ ही घंटों में घर छोड़कर तटबंध या सुरक्षित स्थान पर शरण लेनी पड़ेगी. 'बिहार में बाढ़ कोई नई समस्या नहीं': हर साल हजारों परिवार घर, खेत, मवेशी और रोजगार का नुकसान झेलते हैं. प्रशासन राहत और बचाव की तैयारियों का दावा करता है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि कई इलाकों में लोग आज भी स्थायी समाधान का इंतजार कर रहे हैं. ग्राउंड रिपोर्ट में जब ईटीवी भारत की टीम बाढ़ प्रभावित इलाकों तक पहुंची तो सामने आई तस्वीरें सिर्फ प्राकृतिक आपदा की नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही सरकारी व्यवस्था की चुनौतियों और लोगों की बेबसी की कहानी भी बयां करती हैं. मुजफ्फरपुर जिले के कटरा, औराई, गायघाट, मीनापुर, मुशहरी और बोचहां प्रखंड हर साल बाढ़

की सबसे ज्यादा मार झेलते हैं. बागमती, बूढ़ी गंडक, गंडक, लखनदेई और मनुषमारा नदियों का जलस्तर बढ़ते ही इन इलाकों का जनजीवन प्रभावित होने लगता है.

में माना जाता है. यहां बागमती नदी का सीधा असर पड़ता है. नदी में पानी बढ़ते ही आसपास के दर्जनों गांवों में बाढ़ का खतरा मंडराने लगता है. यही वह इलाका

तटबंध पर गुजारनी पड़ती है जिंदगी': गांव के निवासी राम नरेश सहनी बताते हैं कि उनके गांव में करीब ढाई हजार लोगों की आबादी रहती है. जैसे ही बागमती नदी का



‘बाढ़ आने के बाद घरों में पानी घुस जाता है, सड़कें डूब जाती हैं और लोगों के सामने गांव छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचता. पूरा परिवार तटबंध पर जाकर शरण लेता है, जहां कई बार 15 से 20 दिन तक खुले आसमान के नीचे रहना पड़ता है.’- राम नरेश सहनी, स्थानीय ग्रामीण

सड़कें पानी में डूब जाती हैं, गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट जाता है और लोग नावों के सहारे आवाजाही करने को मजबूर हो जाते हैं. मुजफ्फरपुर जिले का औराई और कटरा प्रखंड सबसे संवेदनशील इलाकों

हैं जहां साहित्यकार और स्वतंत्रता सेनानी रामवृक्ष बेनीपुरी की जन्मभूमि भी स्थित है. लेकिन साहित्य और इतिहास के लिए पहचाना जाने वाला यह क्षेत्र हर साल बाढ़ की त्रासदी से भी जूझता है. '15-20 दिन

जलस्तर बढ़ता है, पूरे गांव में बेचेनी फैल जाती है. रामनरेश तंज भरे लहजे में कहते हैं कि "हम लोग जिंदा रहेंगे तभी सरकार को वोट देंगे. हर साल यही डर रहता है कि इस बार बाढ़ से कैसे बचेंगे."



‘बाढ़ में हर साल सबकुछ हो जाता है चौपट’

ग्रामीण रामनरेश ने बताया कि सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को होती है। पीने के पानी, भोजन और दवाओं की व्यवस्था करना मुश्किल हो जाता है। मजदूरी बंद हो जाती है, खेती चौपट हो जाती है और छोटे कारोबार पूरी तरह ठप पड़ जाते हैं और मवेशियों को हर साल बाढ़ में छोड़ना पड़ जाता है।

तटबंध पर दबाव से 20 गांवों पर खतरा : ग्रामीणों का कहना है कि इस समय बागमती के किनारे बने तटबंध पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। यदि पानी का स्तर और बढ़ा या कहीं तटबंध क्षतिग्रस्त हुआ तो आसपास के करीब 20 गांव कुछ ही घंटों में जलमग्न हो सकते हैं।

‘तटबंध टूटा तो तबाही तय’ : ग्रामीण त्रिवेणी पंडित बताते हैं कि नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ ही गांव में रातभर जागकर निगरानी करनी पड़ती है। हर समय यह डर बना रहता है कि कहीं तटबंध टूट न जाए। उनका कहना है कि अगर तटबंध टूट गया तो लोगों को सामान समेटने तक का मौका नहीं मिलेगा। इसलिए प्रशासन को समय रहते मरम्मत और सुरक्षा के उपाय करने चाहिए। ‘जान बचेगी तब न वोट करेंगे’ : गांव के योगेंद्र राम कहते हैं कि बाढ़ आने

के बाद सबसे ज्यादा संकट गरीब परिवारों पर आता है। रोज कमाने-खाने वाले लोगों के पास आय का कोई साधन नहीं बचता। खेतों में पानी भर जाने से खेती

‘हर साल बाढ़ हमें प्रभावित करती है। पानी आने के बाद गांव छोड़कर बांध पर जाना पड़ता है। वहां खाने-पीने की भी समस्या रहती है। उस समय बस यही

और बार-बार आए तो नियती? : ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन हर साल राहत शिविर और राशन की व्यवस्था करता है, लेकिन जब तक बाढ़ और तटबंध की



अगर मुजफ्फरपुर में लोगों को बाढ़ का डर है तो सुपौल के कई गांवों में लोगों की सबसे बड़ी चिंता कोसी नदी का कटाव है। यहां पानी केवल खेत नहीं डूबोता, बल्कि लोगों के घर और जमीन भी निगल जाता है। आप रात घर की छत के नीचे सोएं और अगली सुबह वह घर रहेगा या नहीं इसका खतरा हमेशा रहता है।

बर्बाद हो जाती है और मजदूरी पूरी तरह बंद हो जाती है। बाढ़ में सबकुछ बर्बाद हो जाता है। उन्होंने सरकार से अपील करते हुए कहा कि- ‘जान बचेगी तब न वोट करेंगे।’

सोचते हैं कि किसी तरह जान बच जाए। नेता चुनाव के समय वोट मांगने आते हैं, लेकिन बाढ़ के स्थायी समाधान की बात कम होती है। जान रहेगी तब न सरकार को वोट देंगे। एक बार बाढ़ आए तो त्रासदी

समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक हर मानसून यही कहानी दोहराई जाती रहेगी। हर साल बाढ़ में हलक सूख जाता है। त्रासदी बड़ी होती है। पानी कम होने पर कटान का खतरा अलग रहता है।



बाढ़ के पहले और बाद में कटाव का खतरा

किशनपुर प्रखंड की दुबियाही पंचायत स्थित बेला गोठ गांव इस समय कटाव की सबसे भयावह तस्वीर पेश कर रहा है। नदी लगातार गांव की ओर बढ़ रही है और देखते ही देखते लोगों के मकान, खेत और पेड़ नदी में समाते जा रहे हैं। ग्रामीण बताते हैं कि हर सुबह उठते ही सबसे पहला सवाल यही होता है कि आज किसके घर की बारी होगी। सबकुछ बाढ़ के पानी में विलीन होने का दर्द : सुपौल जिले में कोसी नदी एक बार फिर अपने रौद्र रूप में दिखाई देने लगी है। दो तटबंधों के बीच बसे हजारों परिवारों के लिए यह नदी कभी जीवन और खेती का सहारा थी, लेकिन अब हर मानसून तबाही का दूसरा नाम बन चुकी है। यहां बाढ़ का पानी ही नहीं, बल्कि नदी का कटाव लोगों की जिंदगी को निगल रहा है। वर्षों की मेहनत से बने घर, उपजाऊ खेत और पुश्तैनी जमीन कुछ ही घंटों में नदी की तेज धारा में समा जाते हैं। लोगों के चेहरों पर बाढ़ का भय : किशनपुर प्रखंड की दुबियाही पंचायत स्थित बेला गोठ गांव इन दिनों सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में शामिल है। गांव में प्रवेश करते ही लोगों के चेहरों पर भय साफ दिखाई देता है। कोई अपना

सामान सुरक्षित जगह पहुंचाने में लगा है तो कोई नदी के किनारे खड़े होकर कटाव की रफ्तार देख रहा है। ग्रामीण बताते हैं कि अब उनकी सुबह इस उम्मीद

इस वर्ष अब तक करीब 30 परिवार अपने घर खो चुके हैं। जिन मकानों में कुछ दिन पहले तक बच्चों की किलकारियां गूंजती थीं, वहां अब सिर्फ कोसी की तेज

हिस्सों पर तिरपाल लगाकर रह रहे हैं। बरसात के मौसम में खुले आसमान के नीचे रहना उनकी मजबूरी बन गया है। महिलाओं को भोजन बनाने में परेशानी



खतरों में बगहा, सियानी और ढोली क्षेत्र : कोसी नदी का खतरा सिर्फ बेला गोठ तक सीमित नहीं है। किशनपुर प्रखंड के मौजहा पंचायत के बगहा क्षेत्र में भी नदी तेजी से जमीन काट रही है। वहीं सरायगढ़-भपटियाही प्रखंड के ढोली पंचायत के सियानी और ढोली गांवों में भी कटाव लगातार बढ़ रहा है।

के साथ नहीं होती कि दिन अच्छा गुजरेगा, बल्कि इस डर के साथ होती है कि कहीं आज उनका घर नदी में न समा जाए। 30 परिवारों का आशियाना नदी में समाया : सुपौल के बेला गोठ गांव में

धारा दिखाई देती है। कई परिवारों को अपना सामान तक निकालने का मौका नहीं मिला। देखते ही देखते दीवारें ढह गईं और पूरा घर नदी में समा गया। कटाव पीड़ित परिवार अब गांव के ऊंचे

होती है, बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप हो गई है और बुजुर्गों के इलाज की चिंता अलग है। जिन परिवारों के पास कहीं और जमीन नहीं है, उनके सामने सबसे बड़ा संकट पुनर्वास का है।



AI से बदलेगी पढ़ाई

150 स्कूलों से 'बिहार स्कूल लाइव क्लासेज' की शुरुआत.. JEE-NEET की भी होगी तैयारी

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजधानी पटना के 150 सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में 'बिहार स्कूल लाइव क्लासेज' का शुभारंभ किया। इस पहल के साथ पहली बार सरकारी स्कूलों के छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित पढ़ाई, विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की लाइव क्लास और प्रतियोगी परीक्षाओं की डिजिटल तैयारी जैसी सुविधाएं एक ही मंच पर उपलब्ध होंगी। सरकार का दावा है कि यह पहल सरकारी और निजी स्कूलों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता के अंतर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जल्द 422 स्कूलों तक पहुंचेगी सुविधा: शिक्षा विभाग के अनुसार पहले चरण में पटना जिले के 150 सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों को इस परियोजना से जोड़ा गया है। विभाग का लक्ष्य जुलाई के अंत तक राजधानी के सभी 422 सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में लाइव क्लासेज शुरू करने का है। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से इस मॉडल को राज्य के अन्य जिलों के सरकारी स्कूलों तक भी विस्तारित किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे दूरदराज के छात्रों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराया जा

सकेगा। यह योजना केवल स्मार्ट बोर्ड या डिजिटल स्क्रीन तक सीमित नहीं है। इसके तहत एक केंद्रीय स्टूडियो से विषय विशेषज्ञ

भी विद्यार्थियों को समान गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलेगी। इससे शिक्षकों की कमी की समस्या को काफी हद तक दूर करने की

शंकाओं का समाधान डिजिटल माध्यम से कर सकेंगे। उन्हें रिकॉर्डेड लेक्चर, डिजिटल नोट्स, ऑनलाइन असाइनमेंट, अभ्यास



शिक्षक लाइव पढ़ाएंगे और एक साथ कई स्कूलों के छात्र उन कक्षाओं से जुड़ सकेंगे। पढ़ाई के दौरान छात्र अपनी जिज्ञासाएं भी रख सकेंगे। जिन विद्यालयों में किसी विषय के शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं, वहां

कोशिश की गई है। एआई ट्यूटोर देगा हर छात्र को व्यक्तिगत सहयोग: इस परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता एआई आधारित ट्यूटोर है। छात्र पढ़ाई के दौरान किसी भी विषय में अपनी

प्रश्न, मॉक टेस्ट और नियमित मूल्यांकन जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी। इससे छात्र अपनी तैयारी का लगातार आकलन कर सकेंगे और कमजोर विषयों पर अधिक ध्यान दे पाएंगे।

155 मॉडल स्कूलों में मुफ्त नीट जेईई की तैयारी: बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष डॉक्टर त्यागराजन एसएम ने बताया कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देश पर पटना जिले के 10 सरस्वती विद्या निकेतन मॉडल स्कूलों में समिति द्वारा इंजीनियरिंग (जेईई) एवं मेडिकल (नीट) प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क अनुशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत आज की गई।



एआई ट्यूटर देगा हर छात्र को व्यक्तिगत सहयोग

स्कूलों से होगी JEE-NEET और CUET की तैयारी: सरकार ने इस प्लेटफॉर्म को केवल बोर्ड परीक्षा तक सीमित नहीं रखा है। इसमें नीट, जेईई और सीयूईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी विशेष अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के उन छात्रों को बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है, जो महंगी कोचिंग का खर्च वहन नहीं कर पाते। शिक्षा विभाग का मानना है कि इससे सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में भागीदारी और सफलता दोनों बढ़ेंगी। इसके तहत कुल 266 विद्यार्थियों ने जेईई की तैयारी के लिए और 252 विद्यार्थियों ने नीट की तैयारी के लिए अपना रजिस्ट्रेशन इन 10 विद्यालयों में कराया है। निकट भविष्य में इस अनुशिक्षण कार्यक्रम का विस्तार राज्य के सभी 155 मॉडल विद्यालयों में किया जाएगा।

ग्रामीण छात्रों को भी मिलेगा लाभ: बिहार के कई सरकारी विद्यालय ऐसे हैं जहां गणित, विज्ञान और अंग्रेजी जैसे विषयों के विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी लंबे समय से बनी हुई है। नई व्यवस्था के तहत एक ही विशेषज्ञ शिक्षक की लाइव क्लास एक

साथ कई स्कूलों तक पहुंचेगी। इससे शहर और गांव के छात्रों के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अंतर कम होगा और हर छात्र

दायरा लगातार बढ़ा रही है। डिजिटल बोर्ड, ई-कॉन्टेंट और ऑनलाइन मॉड्यूल के बाद अब एआई आधारित लाइव क्लासेज की

की बड़ी पहल: शिक्षा विशेषज्ञ प्रोफेसर बीएन प्रसाद का मानना है कि यदि इस योजना का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ और



को समान अवसर मिल सकेगा। डिजिटल शिक्षा को मिलेगा नया आयाम: शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी का कहना है कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप बिहार सरकार शिक्षा व्यवस्था में तकनीक का

शुरुआत को इसी दिशा में अहम कदम है। आने वाले समय में शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह तकनीक-सक्षम बनाते हुए छात्रों को आधुनिक सीखने का वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। शिक्षा व्यवस्था में बदलाव

स्कूलों में इंटरनेट, बिजली तथा तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई, तो यह सरकारी स्कूलों की शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकती है। इससे छात्रों की सीखने की क्षमता बढ़ेगी,

सरकार का लक्ष्य केवल डिजिटल क्लासरूम बनाना नहीं, बल्कि ऐसी आधुनिक शिक्षा व्यवस्था विकसित करना है जहां हर सरकारी स्कूल का छात्र तकनीक, विशेषज्ञ शिक्षकों और प्रतियोगी परीक्षा की गुणवत्तापूर्ण तैयारी तक समान रूप से पहुंच बना सके। यही वजह है कि 'बिहार स्कूल लाइव क्लासेज' को राज्य की स्कूली शिक्षा में एक बड़े बदलाव की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।



रथ यात्रा

इस्कॉन से निकली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा, CM सम्राट चौधरी ने खींचा रथ, लगाई झाड़ू

बिहार की राजधानी पटना स्थित इस्कॉन मंदिर से भगवान जगन्नाथ की विशाल रथ यात्रा निकाली गई. मौके पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी भी मौजूद रहे. इस दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रथ की रस्सी खींचकर रथ यात्रा की शुरुआत की.

उपमुख्यमंत्री ने भी खींचा रथ: वहीं उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी ने भी रथ की रस्सी खींची. इससे पहले मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों सड़क पर झाड़ू लगाते नजर आए. रथ यात्रा को लेकर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी इस दौरान मौजूद रहे. गौरतलब है कि पटना के इस्कॉन मंदिर से हर साल भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकलती है.

इस मौके पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया पर कहा कि श्री जगन्नाथ मंदिर, पुरी से प्रारंभ होने वाली रथ यात्रा की परंपरा से जुड़ते हुए आज पटना स्थित इस्कॉन मंदिर, बुद्ध मार्ग एवं गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में आयोजित श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के शुभारंभ एवं पूजन कार्यक्रम में सहभागी बना. मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा की यह दिव्य रथ यात्रा श्रद्धा, सेवा, समरसता और लोकमंगल का अद्भुत

संदेश देती है. जय जगन्नाथ "पुरी की रथ यात्रा की परंपरा से जुड़ते हुए पटना स्थित इस्कॉन

संदेश देती है. जय जगन्नाथ." श्रद्धालुओं का जमावड़ा: इस साल भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा इस्कॉन मंदिर से लेकर बेली रोड

ट्रैफिक पूरी तरह बंद: इस बार मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी खुद रथ यात्रा में रस्सी खींचते नजर आए. साथ ही उन्होंने सड़क पर झाड़ू



भगवान जगन्नाथ के रथ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह देखने को मिला राजधानी पटना की कई सड़कों में पर श्रद्धालुओं ने सफाई भी की और भगवान जगन्नाथ के रथ का स्वागत कर पूजा अर्चना भी किया. रथ यात्रा का अद्भुत नजारा राजधानी पटना में भी देखा गया.

मंदिर में आयोजित जगन्नाथ रथ यात्रा के शुभारंभ एवं पूजन कार्यक्रम में सहभागी बना. भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा की यह दिव्य रथ यात्रा श्रद्धा, सेवा, समरसता और लोकमंगल का अद्भुत

के राजवंशी नगर तक निकाली गयी. इस दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए उमड़ पड़ी. सुबह से ही इस्कॉन मंदिर परिसर से लेकर मुख्य सड़क तक श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखने को मिला.

भी लगाया. रथ यात्रा को लेकर राजधानी के कई सड़कों पर ट्रैफिक को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था. श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने के कारण इस्कॉन मंदिर से लगे सभी सड़कों को सुबह से ही बंद रखा गया था.



जगन्नाथ रथ यात्रा में भगदड़

दो श्रद्धालु की मौत...कई घायल, 300 से अधिक अस्पताल में भर्ती, सीएम ने दिए जांच के आदेश

जगन्नाथ रथ यात्रा के पहले दिन गुरुवार को पुरी के ग्रैंड रोड (बड़ा डंडा) पर भक्तों की भारी भीड़ के कारण भगदड़ मच गई। खबर के मुताबिक, भीड़ के कारण बेहोश होने से दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। वहीं, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने जांच के आदेश दिए हैं। खबर के मुताबिक, रथ यात्रा के दौरान हुई भगदड़ और अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से 300 से ज्यादा लोगों का अभी भी जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। भगदड़ में दो बेहोश व्यक्ति को इलाज के लिए पुरी जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एक्स पोस्ट, ओडिशा पुलिस ने कहा कि, ओडिशा अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं की स्पेशल रेस्क्यू यूनिट (SRU) ने आज सुबह से भारी भीड़ से 33 भक्तों को सुरक्षित बचाया है। बचाए गए भक्तों को तुरंत प्राथमिक उपचार और ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया, जिसके बाद उन्हें आगे की उपचार के लिए पास के अस्पताल में ले जाया गया। गुरुवार शाम तक, रथ यात्रा के दौरान सेहत से जुड़ी अलग-अलग शिकायतों के चलते करीब 300 लोगों को पुरी जिला जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया



हैं। सूत्रों ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। भगदड़ के बीच इमरजेंसी रेस्क्यू टीमों ने कई लोगों को स्ट्रेचर पर निकाला। सालाना रथ यात्रा के लिए पुरी जगन्नाथ मंदिर के सिंहद्वार पर श्रद्धालुओं की

भारी भीड़ जमा हो गई थी। सुरक्षाकर्मियों और इमरजेंसी रेस्क्यू टीमों ने भीड़ से परेशान लोगों की मदद के लिए तुरंत दखल दिया और पवित्र रथों के आसपास लोगों की भारी भीड़ बढ़ने पर उन्हें मेडिकल मदद दी। पुरी रथ

यात्रा भगदड़ को लेकर नवीन पटनायक का बयान आया है। उन्होंने कहा कि, रथ यात्रा के दौरान बड़ा डंडा में भगदड़ में भक्तों की मौत की खबर से वह बहुत दुखी हैं। उन्होंने घायलों के जल्द से जल्द ठीक होने की कामना की।



पुरी रथ यात्रा में अफरा-तफरी का माहौल!

वहीं, कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग को पुरी में रथ खींचने के दौरान भगदड़ जैसी स्थिति में दो भक्तों की मौत के हालात का पता लगाने का निर्देश दिया है। मृत भक्तों में से एक की पहचान कटक जिले के सिरलोग्राम के 35 साल के अनिल दास के रूप में हुई है।

बता दें कि, आज रथ यात्रा के लिए श्रीक्षेत्र में करीब लाखों भक्त जमा हुए थे। रथ यात्रा से पहले पुरी बड़ा डंडा मरीचिकोट चैक के पास बहुत ज्यादा भीड़ होने की वजह से अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। इसमें कई भक्त बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तुरंत पुरी जिला प्रमुख अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। इस बीच, 300 से ज्यादा लोग बीमार पड़ गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रथ यात्रा के दौरान हुई भगदड़ और अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से 300 से ज्यादा लोगों का अभी भी जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे मरीचिकोट चैक के पास भगदड़ की स्थिति बन गई। भारी



भीड़ की वजह से यह स्थिति कुछ देर तक बनी रही। इस अफरा-तफरी वाली स्थिति के पीछे की सही वजह के बारे में प्रशासन की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री

मोहन चरण माझी ने पुरी में रथ यात्रा के दौरान भगदड़ में दो भक्तों की मौत की जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही सीएम ने स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग को सही बातें पता लगाने का निर्देश दिया है। बीजू

जनता दल के वरिष्ठ नेता संजय दास बर्मा ने घटना को लेकर कहा कि, वह इस घटना से काफी दुखी हैं। उन्होंने इस घटना को प्रशासनिक लापरवाही करार दिया।



जगन्नाथ रथ यात्रा

रांची में स्वामी जगन्नाथ की 335वीं ऐतिहासिक रथयात्रा में उमड़ा आस्था का सैलाब, सीएम हेमंत ने भी की पूजा-अर्चना

रांची में गुरुवार को भगवान जगन्नाथ की 335वीं ऐतिहासिक रथयात्रा श्रद्धा, परंपरा और सामाजिक समरसता के वातावरण में निकाली गई। जगन्नाथपुर मंदिर से निकली इस यात्रा में लाखों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। जय जगन्नाथ के उद्घोष, शंखनाद और भक्ति गीतों के बीच भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के विग्रहों को भव्य रथ पर विराजमान कर मौसीबाड़ी के लिए रवाना किया गया। पारंपरिक पूजा-अर्चना और विशेष अनुष्ठानों के बाद भगवान के विग्रहों को रथ पर स्थापित किया गया। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी रथयात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने अपने संदेश में कहा कि महाप्रभु श्री जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और माता सुभद्रा की कृपा सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य का संचार करे। उन्होंने कहा कि रथयात्रा सेवा, समरसता, आस्था और मानवता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती



है। रांची की रथयात्रा देश की सबसे पुरानी रथयात्राओं में गिनी जाती है। इसकी शुरुआत वर्ष 1691 में नागवंशी शासक ऐनीनाथ शाहदेव ने की थी।

पुरी के श्रीजगन्नाथ मंदिर से प्रेरित होकर उन्होंने जगन्नाथपुर पहाड़ी पर मंदिर का निर्माण कराया और उसी परंपरा के अनुरूप यहां रथयात्रा

की शुरुआत की। आज यह आयोजन झारखंड की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।



रथयात्रा में शामिल हुए गवर्नर और सीएम

जगन्नाथपुर मंदिर की वास्तुकला और पूजा-पद्धति पुरी के जगन्नाथ मंदिर से काफी हद तक मेल खाती है। यहां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की काष्ठ निर्मित प्रतिमाओं की पारंपरिक विधि से पूजा की जाती है। रथयात्रा के दौरान रथ खींचने को श्रद्धालु विशेष पुण्य का कार्य मानते हैं। इस आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सामाजिक समरसता है। वर्षों से विभिन्न जातियों और समुदायों के लोग मंदिर और रथयात्रा की व्यवस्थाओं में अपनी पारंपरिक जिम्मेदारियां निभाते आ रहे हैं। यही परंपरा रांची की रथयात्रा को केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सौहार्द का भी प्रतीक बनाती है। रथयात्रा के साथ शुरू हुए नौ दिवसीय मेले में झारखंड सहित पड़ोसी राज्यों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। भगवान जगन्नाथ की 335वीं ऐतिहासिक रथयात्रा श्रद्धा, परंपरा और सामाजिक समरसता के वातावरण में निकाली गई। जगन्नाथपुर मंदिर से निकली



इस यात्रा में लाखों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। जय जगन्नाथ के उद्घोष, शंखनाद और भक्ति गीतों के बीच भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई

बलभद्र और बहन सुभद्रा के विग्रहों को भव्य रथ पर विराजमान कर मौसीबाड़ी के लिए रवाना किया गया। पारंपरिक पूजा-अर्चना और विशेष

अनुष्ठानों के बाद भगवान के विग्रहों को रथ पर स्थापित किया गया। रथयात्रा शुरू होते ही श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर पहुंच गया।



NEET UG 2026 का रिजल्ट जारी

11.21 लाख अभ्यर्थी हुए सफल, 58% से अधिक महिलाओं ने मारी बाजी

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) ने गुरुवार को देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET (UG) 2026 का परिणाम घोषित कर दिया। परिणाम समय पर जारी होने से एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया निर्धारित समय पर शुरू हो सकेगी। इस वर्ष करीब 20 लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 11.21 लाख उम्मीदवारों ने सफलता हासिल की है। सफल उम्मीदवारों में 58 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं, जो इस वर्ष भी बेहतर प्रदर्शन हैं। परीक्षा भारत के 551 और विदेश के 14 शहरों सहित कुल 565 शहरों में स्थित 5,440 परीक्षा केंद्रों पर 13 भाषाओं में हुई थी। देशभर में शानदार प्रदर्शन, 138 अभ्यर्थियों ने बनाए 690 से अधिक अंक: एनटीए की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार इस वर्ष 138 अभ्यर्थियों ने 720 में से 690 से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। इनमें से 93 प्रतिशत से अधिक उम्मीदवार पहली बार NEET परीक्षा में शामिल हुए थे। वहीं, 99 प्रतिशत टॉप स्कोरर 17 से 19 वर्ष आयु वर्ग के हैं। परीक्षा परिणाम बताते हैं कि 19 उम्मीदवारों ने 700 से अधिक अंक, 1,492 ने 650 या उससे अधिक, 10,160 उम्मीदवारों ने 600 या उससे अधिक, जबकि

90,780 अभ्यर्थियों ने 500 या उससे अधिक अंक मिले। 715 अंक के साथ दो छात्रों ने साझा किया पहला स्थान: इस बार NEET UG

पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, तमिलनाडु और तेलंगाना से हैं। इसके अलावा 138 शीर्ष रैंकधारी

हासिल की है। उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक 1.7 लाख से अधिक अभ्यर्थी सफल हुए, जबकि लक्षद्वीप से 43 उम्मीदवारों ने परीक्षा उत्तीर्ण



2026 में पंजाब के आर्यन गुप्ता और हरियाणा के पांशुल बंसल ने 715 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से अखिल भारतीय स्तर पर पहला स्थान प्राप्त किया। शीर्ष 17 रैंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवार देश के आठ राज्यों

उम्मीदवार देश के 66 अलग-अलग शहरों से आए हैं। हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश से मिले सफल अभ्यर्थी: एनटीए ने बताया कि इस वर्ष देश के सभी 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से उम्मीदवारों ने सफलता

13 भाषाओं में हुई परीक्षा, समयबद्ध तरीके से जारी हुआ परिणाम: इस वर्ष NEET (UG) परीक्षा हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, पंजाबी, बंगाली, गुजराती, मराठी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया और असमिया सहित कुल 13 भाषाओं में आयोजित की गई। एनटीए ने बताया कि परीक्षा परिणाम घोषित करने की प्रक्रिया को इस बार अधिक सुव्यवस्थित बनाया गया। 25 जून को प्रोविजनल आंसर-की जारी की गई, 25 से 28 जून तक आपत्तियां मांगी गईं, 13 से 15 जुलाई तक उम्मीदवारों को उनकी स्कैन की गई OMR शीट और रिकॉर्डेड रिसपॉन्स उपलब्ध कराए गए और 16 जुलाई को अंतिम उत्तर कुंजी के साथ परिणाम घोषित कर दिया गया।

की। राज्यवार टॉपर्स की सूची में सभी पूर्वोक्त राज्यों के छात्र भी शामिल हैं। 17 राज्यों के टॉपर्स ने 700 या उससे अधिक अंक हासिल किए, जबकि 26 राज्यों के टॉपर्स के अंक 690 से ऊपर रहे।



लॉर्ड्स टेस्ट- भारत को 115 रन की बढ़त

पहली पारी में इंग्लैंड विमेंस टीम 170 रन पर ऑलआउट; क्रांति गौड़ ने 5 विकेट लिए

लॉ

इस में खेले जा रहे एकमात्र महिला टेस्ट के दूसरे दिन भारत ने मैच पर मजबूत पकड़ बना ली है। इंग्लैंड की पहली पारी सिर्फ 170 रन पर सिमट गई। पहली पारी के आधार पर टीम इंडिया को 115 रन की बढ़त मिली। टीम ने 285 रन बनाए थे। भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने 37 रन देकर 5 विकेट लिए। सयाली सतधरे और स्नेह राणा ने 2-2 विकेट झटके। दीप्ति शर्मा ने 1 विकेट हासिल किया। शुरुआती झटकों के बाद एमी जोन्स और कप्तान नैट सिवर-ब्रंट ने इंग्लैंड की वापसी कराई। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की। एमी जोन्स ने 62 गेंदों में 52 रन बनाए। हालांकि लंच से ठीक पहले स्नेह ने उन्हें ऋचा घोष के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेजा। सिवर-ब्रंट के आउट होने के बाद इंग्लैंड की पारी तेजी से बिखर गई। सयाली ने सोफी एक्लेस्टोन (11) को विकेटकीपर यस्तिका भाटिया के हाथों कैच कराया। फिर स्नेह ने मैडी विलियर्स (10) को बोल्ट किया।



क्रांति ने लॉरेन बेल (3) को रिलप में कैच कराकर अपना पहला टेस्ट पांच विकेट हॉल पूरा किया। दीप्ति ने लॉरेन फिलर को LBW कर इंग्लैंड की पारी 170 रन पर समेट दी।

22 साल 333 दिन की उम्र में क्रांति गौड़ टेस्ट क्रिकेट में 5 विकेट लेने वाली सबसे जल्दी भारतीय महिला तेज गेंदबाज बन गईं। उन्होंने झूलन गोस्वामी का रिकॉर्ड तोड़ा।

इसके अलावा इंग्लैंड में विमेंस टेस्ट में 2015 के बाद किसी तेज गेंदबाज का यह पहला पांच विकेट हॉल है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी ने 2015 में इंग्लैंड के खिलाफ 6 विकेट लिए थे।



लॉर्ड्स में पहला महिला टेस्ट

यह लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड के 142 साल के इतिहास का पहला महिला टेस्ट मैच है।

भारत और इंग्लैंड के बीच यह 16वां महिला टेस्ट है। इससे पहले दोनों टीमों के बीच 15 टेस्ट में भारत ने 3 और इंग्लैंड ने 1 मैच जीता, जबकि 11 मुकाबले ड्रॉ रहे।

इंग्लैंड की ओपनर टैमी ब्यूमोंट का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच है। 35 साल की ब्यूमोंट 17 साल के करियर के बाद संन्यास ले रही हैं। उन्होंने 260 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने इंग्लैंड के लिए महिला वनडे में सबसे ज्यादा 12 शतक लगाए हैं।

भारत: स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, सयाली सतधरे, श्री चरणी, क्रांति गौड़।

इंग्लैंड: टैमी ब्यूमोंट, माया बाउशियर, हीदर नाइट, नैट सिवर-ब्रंट (कप्तान), एलिस कैप्सी, एमी जोन्स (विकेटकीपर), मैडी विलियर्स, सोफी एक्लेस्टोन, इजी वॉंग, लॉरेन बेल, लॉरेन फिलर।





हारी लियोनेल मेसी की टीम, अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर वर्ल्ड चैंपियन बना स्पेन

मेच का एकमात्र गोल फेरान टोरेस ने किया, उन्होंने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही अर्जेंटीना की कड़ी चुनौती को आखिरकार तोड़ दिया। यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने पूरे मुकाबले में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन अर्जेंटीना की तुलना में अधिक और बेहतर मौके बनाए। दूसरी ओर अर्जेंटीना का खेल काफी हद तक रक्षात्मक और मुकाबले की रफ्तार पर ब्रेक लगाने वाला रहा। अतिरिक्त समय शुरू होने से ठीक पहले एंजो फर्नान्देज को रेड कार्ड दिखाए जाने के बाद टीम 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने पर मजबूर हुई। मैच के 106वें मिनट में फेरान टोरेस ने स्थानापन्न खिलाड़ी निको विलियम्स के हेडर को कंट्रोल करते हुए नजदीक से जोरदार शॉट लगाया, जिसे अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज़ रोक नहीं सके।

स्पेन के खिलाड़ी लगातार रेफरी स्लावको विनचिच के फैसलों पर नाराजगी जताते रहे। विशेषकर तब, जब एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने दानी ओल्मो पर देर से टैकल किया, लेकिन उन्हें तुरंत कार्ड

चोट के कारण उन्हें कुछ देर बाद मैदान छोड़ना पड़ा। इंजरी टाइम में मुकाबला और तनावपूर्ण हो गया, जब पहले से पीला कार्ड देख चुके एंजो फर्नान्देज को स्पेन के डिफेंडर पाउ क्यूबार्सी पर लापरवाही भरा टैकल करने के कारण दूसरा पीला कार्ड मिला और उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया गया। एमिलियानो मार्टिनेज़ अर्जेंटीना के सबसे बड़े डिफेंडर साबित हुए।



नहीं दिखाया गया। मैच का पहला पीला कार्ड 40वें मिनट में लिसांद्रो मार्टिनेज़ को मिकेल ओयारज़ाबाल को गिराने पर मिला। हालांकि चोट के कारण उन्हें कुछ देर बाद मैदान छोड़ना पड़ा। इंजरी टाइम में मुकाबला और तनावपूर्ण हो गया, जब पहले से पीला कार्ड देख चुके एंजो फर्नान्देज को स्पेन के डिफेंडर

पाउ क्यूबार्सी पर लापरवाही भरा टैकल करने के कारण दूसरा पीला कार्ड मिला और उन्हें मैदान से बाहर भेज दिया गया। एमिलियानो मार्टिनेज़ अर्जेंटीना के सबसे बड़े डिफेंडर साबित हुए। उन्होंने निर्धारित समय के अंतिम क्षणों में लामिन यमाल की फ्री-किक पर शानदार बचाव कर मैच को

अतिरिक्त समय तक पहुंचाया। अतिरिक्त समय में भी उन्होंने निको विलियम्स के हेडर पर बेहतरीन बचाव किया। इसके बाद विलियम्स ने एक गोल भी किया, लेकिन स्थानापन्न खिलाड़ी मिकेल मेरिनो की ओर से निकोलस ओटामेंडी पर फाउल किए जाने के कारण उसे रद्द कर दिया गया। अर्जेंटीना ने नॉकआउट चरण में मिस्र और इंग्लैंड के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की थी, लेकिन फ़ाइनल में वह ऐसा नहीं कर सका। स्पेन ने 1-0 की जीत के साथ दूसरी बार 16 साल बाद पुरुष वर्ल्ड कप ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस जीत के साथ स्पेन ने इतिहास भी रच दिया। वह एक ही समय में पुरुष और महिला फुटबॉल वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम रखने वाला दुनिया का पहला देश बन गया।



RAFTAAR INSTITUTE OF MEDIA STUDIES

Admission Started for Crash/Vocational Course in Mass Communication

We Are Ready to Welcome You at
Raftaar Institute of Media Studies



**Be Ready
to
Join**

Course

100%
PLACEMENT
ASSISTANCE

Anchor

Reporter

Scriptwriter

Video Editor

Cameraman

Helpline Number
6203592707, 9334722857

**UTTAM NIWAS, HARMU HOUSING COLONY
RANCHI- 02, JHARKHAND**



टीम इंडिया से 4 साल बाद छीना नंबर-1 का ताज

इंग्लैंड ने पांचवें T20 में भी 56 रनों से दी मात

5

इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज 4-0 से हारने के बाद टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। इस करारी हार से भारत ने ICC T20I रैंकिंग में नंबर वन का स्थान खो दिया है। जहां पर उसका चार साल तक दबदबा रहा है। टी20 रैंकिंग में टॉप स्थान पर भारत का सफर फरवरी 2022 में शुरू हुआ था। इस दौरान टीम इंडिया ने दो बार T20 वर्ल्ड कप जीता और एक बार सेमीफाइनल तक पहुंची।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के आखिरी मैच में भारत को 56 रनों से हारा का सामना करना पड़ा। साउथैम्प्टन के रोज बाउल में 258 के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, भारत 201/8 पर ही रुक गया। श्रेयस अय्यर की टीम अब यूके में खेले गए लगातार सात मैच (आयरलैंड में दो और इंग्लैंड में पांच) जीतने में नाकाम रही है।

T20 वर्ल्ड कप 2024 में सफलतापूर्वक अपना खिताब बचाने के बाद, भारत आयरलैंड के खिलाफ 2-0 से सीरीज हार गया और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 4-0 से सीरीज हार गया। सीरीज का पहला मैच बारिश का कारण रद्द हो गया था। पांचवें मैच में शानदार जीत दर्ज करने के बाद हैरी ब्रुक की कप्तानी में इंग्लैंड टॉप पर पहुंच गया है। इंग्लैंड अब 38 मैचों में 268 रेटिंग और 10,186 पॉइंट्स के साथ



टॉप पर है। वहीं भारत 268 रेटिंग और 15,532 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है। हैरत की बात ये है कि रेटिंग में दोनों

टीमों के अंक बराबर हैं जबकि पॉइंट्स में भारत इंग्लैंड से बहुत आगे है। ये भी उल्लेखनीय है कि ब्रुक के व्हाइट-बॉल

कप्तानी संभालने के बाद से इंग्लैंड का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। उनकी कप्तानी में, इंग्लैंड ने खेले गए 21 मैचों में से 18 जीते।

भारत को एक बार फिर हर विभाग में मात मिली पूरी सीरीज में भारतीय टीम इंग्लैंड की टीम के सामने कमजोर नजर आई। पांचवें T20I में भी ऐसा ही हुआ। भारत ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, और जोस बटलर और ब्रुक ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए दूसरे विकेट के लिए 233 रनों की साझेदारी की।

सारा अली खान पहुंची पहलगाम स्थानीय परिवार के साथ बिताया समय

नूर मड हाउस ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'सारा अली खान का मेहमान नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य की तरह स्वागत करना हमारे लिए सम्मान की बात थी। उनकी सादगी, विनम्रता और अपनापन हमेशा याद रहेगा। नूर मड हाउस में उनका हमेशा स्वागत रहेगा।' पहलगाम का नूर मड हाउस पहलगाम-अरु रोड पर स्थित एक पारंपरिक मिट्टी का घर है। इसे एक स्थानीय गुज्जर-बकरवाल चरवाहा परिवार चलाता है। पहलगाम का नूर मड हाउस पहलगाम-अरु रोड पर स्थित एक पारंपरिक मिट्टी का घर है। इसे एक स्थानीय गुज्जर-बकरवाल चरवाहा परिवार चलाता है।

क्या अमरनाथ यात्रा पर हैं सारा?

पोस्ट में लोकेशन पहलगाम, कश्मीर दी गई है। पहलगाम, अमरनाथ यात्रा के पारंपरिक मार्ग का प्रमुख बेस कैंप भी है और इसी वजह से सोशल मीडिया पर यह चर्चा शुरू हो गई कि सारा अमरनाथ यात्रा के लिए पहुंची हैं। हालांकि, पोस्ट में कहीं भी अमरनाथ यात्रा या बाबा बर्फानी के दर्शन का जिक्र नहीं किया गया है। इसलिए फिल्हाल इसे केवल अटकल ही माना जा सकता है। अमरनाथ यात्रा इस साल 3 जुलाई से शुरू हुई है और पहलगाम मार्ग से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा कर रहे हैं। गौरतलब है कि सारा के पिता सैफ अली खान मुस्लिम हैं, जबकि उनकी मां अमृता सिंह हिंदू हैं। सारा अपने पिता का ही टाइटल यूज करती हैं। मंदिरों में जाने के लिए सारा अली खान की कट्टरपंथियों ने आलोचना की थी। मुस्लिम होने के बावजूद सनातन धर्म के प्रति उनकी आस्था कुछ लोगों को पसंद नहीं आती है। वहीं, अपनी फिल्म जरा हटके जरा बचके के प्रमोशन के दौरान सारा ने विरोधियों को जवाब भी दिया था।





‘धुरंधर’ सिंगर जैस्मीन सैण्डलस ने लाइव कॉन्सर्ट में सगाई का किया एलान स्टेज पर मंगेतर को बुलाकर फ्लॉन्ट की इंगेजमेंट रिंग

धु रंधर’ सिंगर जैस्मीन सैण्डलस की सगाई हो गई है। जी हां, 11 जुलाई को दिल्ली में अपने ‘द ड्रीम गर्ल इंडिया टूर’ की ओपनिंग नाइट के दौरान, उन्होंने अपनी सगाई का एलान किया। इतना ही नहीं, उन्होंने फैस को अपने मंगेतर से भी मिलवाया, जिससे उनके फैस हैरान रह गए। सोशल मीडिया पर जैस्मीन के इंगेजमेंट अनाउंसमेंट का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल हुए कॉन्सर्ट के कई वीडियो में जैस्मीन खुशी से अपने मंगेतर को स्टेज पर बुलाती और उन्हें अपना ‘माय मैन’ बताती हुई दिखती हैं। यह सिंगर अपनी सगाई की अंगूठी भी गर्व से दिखाती हुई नजर आई। वायरल वीडियो में जैस्मीन ने अपने मंगेतर शेखर चौधरी को दर्शकों से मिलवाया और गर्व से कहा, ‘इन्होंने ही मेरी इस उंगली में अंगूठी पहनाई है और इस तरह उन्होंने हजारों चीयर कर रहे फैस के सामने पहली बार अपनी इंगेजमेंट रिंग फ्लॉन्ट की। इस अनाउंसमेंट पर जोरदार तालियां बजीं और यह जल्द ही कॉन्सर्ट के सबसे चर्चित पलों में से एक बन गया। फिर सिंगर दौड़कर अपने मंगेतर के पास गई और उन्हें कसकर गले लगा लिया, अपनी खुशी जाहिर की।

जैस्मीन अपनी हालिया फिल्मों ‘धुरंधर’ और ‘धुरंधर: द रिटेंज’ की जबरदस्त सफलता का आनंद ले रही हैं, जिससे इंडस्ट्री की सबसे मशहूर आवाजों में से एक बन गई है। सफलता की इसी लहर पर सवार होकर, उन्होंने हाल ही में अपने ‘ड्रीम गर्ल इंडिया टूर’ का एलान किया, जो देश भर में उनके सबसे बड़े लाइव कॉन्सर्ट टूर में से एक होगा।



[illegible]

МДПК-А

BULK-B



SITE ADDRESS : BELLAHI , OPPOSITE GAYA AIRPORT
GAYA (BIHAR)



raftaarhr@gmail.com



6203592707,8709733241,6203764769



7970599666

**सलूजा गोल्ड****TMT BARS****मज़बूती
सबकुछ है**